E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 112 | प्रयागराज, मंगलवार 11 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

रिपोर्ट-परमाणु समझौता के बिना भी जंग खत्म कर सकते हैं ट्रम्प,होर्मुज दोबारा खोलने की शर्त रखी, युद्ध लंबा खिंचने पर अमेरिका का फोकस बदला

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के साथ बिना परमाणु समझौते के भी जंग खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोल देता है और वहां से सामान्य कारोबारी जहाजों की आवाजाही शुरू हो जाती है तो अमेरिका जंग से पीछे हट सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प पिछले कुछ हफ्तों से इस विकल्प पर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से निजी बातचीत में कहा है कि तेहरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौते के बिना भी अमेरिका संघर्ष खत्म कर सकता है। पहले अमेरिका का मुख्य लक्ष्य ईरान से परमाणु समझौता था-अब तक ट्रम्प प्रशासन का मुख्य जोर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता कराने पर था। जंग लंबी खिंचने के बाद अमेरिका का फोकस बदलता दिख रहा है। अब होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही शुरू कराना जंग खत्म करने की अहम शर्त बन सकता है। यह रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की सप्लाई होती है। ईरान ने होर्मुज खोलने के बदले रखीं कई शर्तें-ईरान ने भी होर्मुज खोलने के लिए कई मांगें रखी हैं।

ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर जोलघदार के मुताबिक, अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से खत्म करना होगा और अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी। ईरान ने क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, सभी प्रतिबंध हटाने, विदेशों में जमा ईरानी संपत्ति को रिलीज करने और युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पीओके में तीसरे चरण की वोटिंग टली,लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच फैसला, शहबाज की पार्टी पीएमएल-एन ने अब तक 24 सीटें जीता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 10 अगस्त सोमवार को होने वाली वोटिंग टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगातार हो रहे प्रदर्शन के चलते यह चुनाव अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं। पीओके में कुल 45 सीटें हैं जिन पर चुनाव हो रहा है। इससे पहले दो चरणों में शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने कुल 24 सीटें जीतीं। इसके बाद पीएमएल-एन का पीओके में सरकार बनाना तय था। लेकिन तीसरे चरण की 11 सीटों पर चुनाव अब टल गया है। 3 चरणों में चुनाव होना था- पहला चरण (27 जुलाई): मीरपुर डिवीजन की 13 सीटों पर मतदान। दूसरा चरण (2 अगस्त): मुजफ्फराबाद डिवीजन की 9 और 12 शरणार्थी सीटों पर मतदान। तीसरा चरण (10 अगस्त): पुंछ डिवीजन की 11 सीटों पर मतदान टला। दावा- पहले चरण के चुनाव के दौरान 19 लोगों की मौत-पीओके में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़क गई। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुईं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65फीसदी सम्भावना, हारे तो मनमानी पर रोक लगेगी, नवंबर में होनी है वोटिंग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इप्सॉस-एएपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65फीसदी तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है। मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इम्तिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम पदों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80फीसदी उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके हैं। मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-टोक बढ़ सकती है। टैरिफ, वीजा और दूसरे बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने में ट्रम्प को डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कार्यकाल के बाकी दो साल में उन्हें कांग्रेस के साथ ज्यादा तालमेल बनाकर चलना होगा। 1. महंगाईः ट्रम्प की आर्थिक रेटिंग 32फीसदी पर? फिसल गई-अमेरिकी वोटरों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई है। इप्सोस सर्वे में 54फीसदी लोगों ने महंगाई और अर्थव्यवस्था को वोट का बड़ा मुद्दा बताया। वहीं, एपी-एनओआरसी सर्वे में सिर्फ 32फीसदी लोगों ने माना कि ट्रम्प अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संभाल रहे हैं। 69फीसदी अमेरिकियों को मौजूदा आर्थिक हालात खराब लगते हैं।

इप्सोस सर्वे में 65फीसदी लोगों ने कहा कि रोजमर्रा का किराना महंगा पड़ रहा है, जबकि 48फीसदी को डर है कि अगले साल आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं। ईरान युद्धः 20फीसदी वोटरों के लिए बड़ा मुद्दा-ईरान युद्ध अब सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। इसका असर सीधे अमेरिकी लोगों की जेब पर पड़ रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

गर्लफ्रेंड की हत्या का आरोपी भारतीय छात्र जर्मनी में पकड़ा,एरिजोना में 19 साल की गर्लफ्रेंड की मौत, भारत भागने की कोशिश का आरोप

एरिजोना। 20 साल के भारतीय नागरिक वरुण बटचिगरी को जर्मनी में गिरफ्तार किया गया है। उन पर अमेरिका के एरिजोना में अपनी 19 साल की गर्लफ्रेंड जुलिसा रूबी सलाजार की गला दबाकर हत्या करने का आरोप है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, वरुण पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का शक है। जुलिसा का शव गुरुवार को एरिजोना यूनिवर्सिटी के पास टक्सन स्थित उसके अपार्टमेंट में मिला था। जुलिसा के परिवार ने उसकी चिंता होने पर पुलिस से वेलफेयर चेक कराने को कहा था। टक्सन पुलिस विभाग के मुताबिक, वे गुरुवार शाम करीब 4 बजे अपार्टमेंट पहुंचे, जहां जुलिसा बेहोश मिली। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने आरोपी को जर्मनी में ट्रेस किया-जांचकर्ताओं का कहना है कि वरुण जुलिसा का फोन और क्रेडिट कार्ड लेकर गया था। उसने जुलिसा की मां को कई मैसेज भी भेजे। पुलिस को पता चला कि वरुण टक्सन से भाग चुका है। वह टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा और वहां से ह्यूस्टन की फ्लाइट ली। इसके बाद उसने जर्मनी के बर्लिन जाने वाली दूसरी फ्लाइट ली। अधिकारियों का मानना है कि वरुण भारत लौटने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अधिकारियों ने वरुण का पता लगाया और जर्मनी पहुंचने के बाद उसे हिरासत में लिया। उसे एरिजोना लाए जाने की उम्मीद है, जहां उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया जाएगा और उसे पिमा काउंटी एडल्ट डिटेंशन सेंटर में दर्ज किया जाएगा। रिश्ता खत्म करना चाहती थी जुलिसा- इस मामले में वरुण और जुलिसा के रिश्ते और उनसे जुड़े दुर्व्यवहार के आरोपों की भी जांच हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुलिसा यह रिश्ता खत्म करना चाहती थी। उसके साथ यौन हमले और दुर्व्यवहार होने की बात भी सामने आई है। 5 अगस्त को जुलिसा के रूममेट्स ने उसके कमरे से तेज चीखने की आवाज सुनी थी। इससे वे चिंतित हो गए और उन्होंने जुलिसा से संपर्क कर पूछा कि वह सुरक्षित है या नहीं। रूममेट्स को जवाब मिला कि वह ठीक है और कमरे में केवल बहस हुई थी। एक महिला ने जांचकर्ताओं को यह भी बताया था कि वरुण ने हैलोवीन के दिन जुलिसा पर यौन हमला किया था। हालांकि, जुलिसा ने इस घटना की शिकायत उस समय नहीं की थी। वरुण को यूनिवर्सिटी से निकाला गया-वरुण एरिजोना यूनिवर्सिटी में बिजनेस एनालिटिक्स की पढ़ाई कर रहा था।

नेपाल पीएम बालेन पहले भारतीय राजदूत से बाद में चीन के दूत से बात होगी, अगले दिन अमेरिकी अधिकारी से वन-टू-वन बैठक

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को सबसे पहले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे चीन के राजदूत झांग माओमिंग से बातचीत करेंगे। मंगलवार को शाह अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी स्कॉट अर्बोम से वन-टू-वन बैठक करेंगे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली बार होगा, जब शाह किसी विदेशी राजदूत से अकेले में मिलेंगे। इससे पहले वे विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते रहे थे। इन बैठकों में नेपाल के भारत, चीन और अमेरिका के साथ रिश्तों और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। दो हफ्ते पहले होनी थी मुलाकात, हिंसा के बाद टली- शाह की इन राजनयिकों से मुलाकात करीब दो हफ्ते पहले तय थी, लेकिन सुनसरी और दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद इसे टाल दिया गया था। अब सरकार ने दोबारा बैठकें तय की हैं। प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के मुताबिक, संबंधित दूतावासों को मुलाकात का समय बता दिया गया है। पहले विदेशी अधिकारियों से अकेले नहीं मिलते थे शाह- प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती दौर में शाह ने विदेश मंत्री के स्तर से नीचे के विदेशी अधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात नहीं करने की नीति अपनाई थी। इसी वजह से भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की 11-12 मई की नेपाल यात्रा भी विवादों के बीच टल गई थी। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, शाह का मिस्री से अकेले में मिलने से इनकार भी इसकी वजहों में शामिल था। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे। अमेरिकी विदेश विभाग की अंडर सेक्रेटरी सारा बी. रोजर्स भी नेपाल दौरे पर आई थीं, लेकिन उनकी शाह से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं। अब क्यों बदल रही है शाह की नीति? शाह की सामूहिक बैठकों की नीति को नेपाल के कई राजनयिकों और विदेश नीति के जानकारों ने संतुलित कदम बताया था। उनका मानना था कि इससे किसी एक देश को ज्यादा तवज्जो देने का संदेश नहीं जाता और सभी देशों के साथ बराबरी का व्यवहार दिखता है। लेकिन सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद शाह के सलाहकारों ने उन्हें घरेलू और विदेशी स्तर पर अलग-अलग लोगों से मिलने की सलाह दी। इसके बाद शाह ने मधेश के राजनीतिक दलों और सांसदों के साथ-साथ कारोबारियों, उद्योगपतियों, ठेकेदारों और निर्यातकों से भी अलग-अलग मुलाकातें शुरू कीं। अब विदेशी राजदूतों से वन-टू-वन बातचीत भी इसी बदली हुई रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

26/11 हमले से जुड़े लश्कर आतंकी अब्दुल-अजीज की मौत,रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद इस्लामाबाद में मस्जिद के बाहर अचानक गिरा

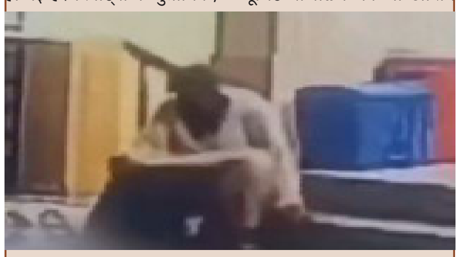

इस्लामाबाद। 26/11 मुंबई आतंकी हमले से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी कारी सईद अब्दुल-अजीज की पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मौत हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह कुबा मस्जिद के बाहर अचानक गिर पड़ा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मस्जिद पहुंचने से पहले अजीज ने एक रेस्टोरेंट में खाना खाया था। इसके बाद नमाज के लिए पहुंचने पर वह अचानक गिर पड़ा। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अजीज पर 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की साजिश में शामिल होने का आरोप था। हमले में लश्कर के 10 आतंकियों ने मुंबई के कई ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें 166 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। उस पर लश्कर की एक यूनिट संभालने का भी आरोप था, जो आतंकियों के बीच कम्युनिकेशन और जम्मू-कश्मीर में मारे गए लश्कर आतंकियों के परिवारों को आर्थिक मदद से जुड़े काम देखती थी। पाकिस्तान में लश्कर आतंकियों की रहस्यमय मौतों का सिलसिला जारी-अजीज की मौत ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई आतंकियों और ऑपरेटिव्स की रहस्यमय तरीके से हत्या की खबरें सामने आती रही हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जापान में 200किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा डॉल्फिन तूफान,लाखों लोगों को घर छोड़ने का आदेश,टोयोटा ने 9 फैक्ट्रियों में काम रोका

टोक्यो। जापान की ओर करीब 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से डॉल्फिन तूफान बढ़ रहा है। इसकी वजह से 2.6 लाख लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए हैं। जबकि 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हालात को देखते हुए टोयोटा ने भी अपनी 9 फैक्ट्रियों में काम रोक दिया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, डॉल्फिन कैटेगरी-1 का तूफान है। इसकी लगातार हवा की रफ्तार 144 किमी प्रति घंटा और झोंकों की रफ्तार 198 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही है। यह तूफान क्यूशू और ओकिनावा के बीच स्थित द्वीपों की ओर बढ़ रहा है। ओकिनावा द्वीप पर सबसे ज्यादा असर-तूफान की वजह से जापान का ओकिनावा द्वीप बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वहां छुट्टियां मनाने गए कई हांगकांग के पर्यटक उड़ानें रद्द होने के कारण फंस गए हैं। उन्हें अब जरूरी सामान की कमी, बिजली कटने और पानी की सप्लाई बाधित होने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। हांगकांग से जुड़े ट्रैवल सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा की गई तस्वीरों में सुपरमार्केट की ब्रेड की अलमारियां खाली दिखाई दे रही हैं। वहीं, कई इलाकों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। रविवार को चीन पहुंच सकता है **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

'भारतीय युवाओं ने हमें उम्मीद दी', धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद ग्रेटा थनबर्ग का बड़ा बयान,उतरीं लंदन में सड़क पर

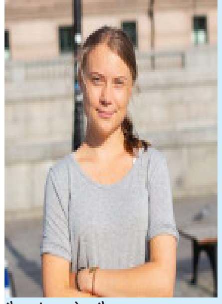

लंदन। स्वीडन की एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग ने दिल्ली में मजबूती से विरोध प्रदर्शन करने के लिए भारतीय छात्रों की तारीफ की है। लंदन के ट्रैफलगर स्क्वायर पर एसएफआई की रैली में शामिल होते हुए थनबर्ग ने कहा कि भारतीय युवाओं ने जिस एकजुटता से आंदोलन किया, उसने दुनियाभर के लोगों को उम्मीद दी है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के मंत्री पद से इस्तीफे पर खुशी जताई और भारत के प्रदर्शनकारी छात्रों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि इस आंदोलन ने आम लोगों की ताकत का असली मतलब बताया है। पर्यावरण और मानवाधिकार पर अपनी लड़ाई के लिए पहचान रखने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने कहा, 'भारतीय छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने हम सभी को गर्व महसूस कराया है। उन्होंने हमें उम्मीद दी है। वे दिखाते हैं कि जब लोग एक साथ आते हैं और विरोध करते हैं तो हम क्या हासिल कर सकते हैं। वे जन-शक्ति का असली मतलब दिखाते हैं।' 'हम भारतीय छात्रों के साथ'-ग्रेटा थनबर्ग उन कई लोगों में शामिल थीं, जो आंदोलन की जीत का जश्न मनाने के लिए एसएफआई की ओर से लंदन में आयोजित वीकेंड की सभा में शामिल हुए थे। ग्रेटा ने कहा, 'न्याय के लिए भारतीय छात्रों का संघर्ष और लोकतंत्र और आजादी के लिए व्यापक संघर्ष हमारा भी संघर्ष है। इसलिए हम सभी को अब एक साथ आना होगा और भारत के साथ एकजुटता दिखानी होगी।' स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की ब्रिटेन की यूनिट ने लंदन में जंतर-मंतर के प्रदर्शन के समर्थन में लगातार प्रदर्शन किए। इन प्रदर्शनों में पहले धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा गया और इस्तीफे के बाद जश्न भी मनाया गया। ग्रेटा विदेश के कई उन दूसरे कार्यकर्ताओं में शामिल थीं, जो इस प्रदर्शन को सही कर रहे हैं और सपोर्ट कर रहे हैं।

पूर्ण सूर्य ग्रहण के लिए तैयार हो जाइए, 12 अगस्त को होगा शानदार नजारा, भारत में दिखेगा या नहीं?

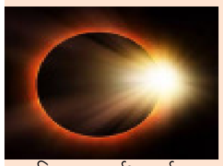

मैड्रिडः खगोल विज्ञानियों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वाले शौकीनों के लिए बुधवार 12 अगस्त का दिन बेहद खाने होने वाला है। इस दिन एक दुर्लभ सूर्य ग्रहण होने जा रहा है, जब सूरज कुछ समय के लिए छिप जाएगा और दिन में शाम जैसा अंधेरा हो जाएगा। यह साल 2026 का आखिरी सूर्य ग्रहण भी होगा, जो यूरोप से अमेरिका तक दुनिया के बड़े हिस्से में देखा जाएगा। पूर्ण सूर्य ग्रहण कहां दिखाई देगा? बुधवार को होने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण की छाया पूर्वी ग्रीनलैंड, पश्चिमी आइसलैंड और उत्तरी स्पेन के एक संकरे रास्ते से होकर गुजरेगी। यह ग्रहण अपनी पूर्णता पर 2 मिनट 18 सेकंड लंबा होगा, जो आइसलैंड के पास समुद्र में दिखाई देगा। यह 2015 के बाद यूरोप और 1999 के बाद मुख्य भूमि यूरोप से दिखाई देने वाला पहला सूर्य ग्रहण होगा। हालांकि, स्पेन को छोड़कर यूरोप के अधिकांश हिस्से में गहरा आंशिक सूर्य ग्रहण देखा जाएगा। सूर्य ग्रहण को पूर्णता में देखने के लिए स्पेन का उत्तरी हिस्सा सबसे खास होगा। स्पेन के स्थानीय समयानुसार शाम को 8:26 बजे से 8:33 बजे के बीच पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई, जब ग्रहण लगा सूरज पश्चिमी क्षितिज के ठीक ऊपर होगा। यह सूर्यास्त से ठीक पहले थोड़ी देर के लिए ही होगा। यूरोप और अमेरिका में आंशिक ग्रहण-पूर्ण ग्रहण का दायरा करीब 290 किमी चौड़े रास्ते तक सीमित रहेगा। जबकि यूरोप और अमेरिका के एक बड़े हिस्से में लोग आंशिक सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। स्पेन के ही मैड्रिड में 99.99फीसदी आंशिक ग्रहण दिखाई देगा। अमेरिका में अलास्का लेकर उत्तरी राज्यों और न्यू इंग्लैंड तक आंशिक सूर्य ग्रहण बनेगा। अलास्का में सबसे ज्यादा असर होगा, जहां सूरज का 37फीसदी हिस्सा ढक जाएगा। क्या भारत में दिखाई देगा सूर्य ग्रहण? सूर्य ग्रहण की छाया वाले रास्ते से बाहर रहने वाले देशों के लिए यह नजारा नहीं होगा। खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत समेत एशिया के ज्यादातर देशों में इस दुर्लभ खगोलीय घटना को नहीं देखा जा सकेगा। ग्रहण जिस समय हो रहा होगा, उस समय इन इलाकों में रात होगी।

कनाडा से 6 महीने में 3300 भारतीय किए गये डिपोर्ट, अमेरिका से भी 3 गुना अधिक, क्यों हो रही कार्रवाई?

टोरंटो। कनाडा ने 2026 के शुरुआती छह महीनों में 3,323 भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया है। यह संख्या अमेरिका की तरफ से करीब सात महीनों में भारत वापस भेजे गए 1273 भारतीयों की संख्या से लगभग तीन गुना ज्यादा है। कनाडा बॉर्डर सर्विसेज़ एजेंसी (सीबीएसए) के डेटा के मुताबिक इस साल डिपोर्ट किए गए लोगों की संख्या 2025 में डिपोर्ट किए गए कुल 3779 भारतीय नागरिकों का लगभग 88इ है। 2025 का आंकड़ा अपने आप में एक रिकॉर्ड था। अगर यही रफ्तार बनी रही तो कनाडा पिछले साल के आंकड़े को पार कर सकता है और एक नया सालाना रिकॉर्ड बना सकता है। इसकी तुलना में भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक 1 जनवरी से 22 जुलाई 2026 के बीच अमेरिका से 1273 भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया गया था। अमेरिका ने 2025 में कुल 3567 भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया था जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा आंकड़ा था। 2004 में अमेरिका से 1368 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। कनाडा ने अमेरिका की तुलना में 3 गुना ज्यादा लोगों को किया डिपोर्ट-यह तुलना इसलिए भी अहम है क्योंकि न सिर्फ आंकड़ों में अंतर है बल्कि कनाडा ने 2026 का यह आंकड़ा सिर्फ छह महीनों में हासिल कर लिया जबकि अमेरिका का आंकड़ा लगभग सात महीनों का है। कनाडा में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब ओटावा अपने इमिग्रेशन सिस्टम को सख्त कर रहा है और अस्थायी निवासियों जिसमें इंटरनेशनल स्टूडेंट और अस्थायी विदेशी वर्कर शामिल हैं की संख्या कम करने की कोशिश कर रहा है। सरकार ने उन लोगों के खिलाफ़ कार्रवाई भी तेज कर दी है जिनके पास देश में रहने का कानूनी स्टेटस नहीं है। 2026 की पहली छमाही में कनाडा से हटाए गए लोगों में भारतीय नागरिक सबसे बड़ा ग्रुप बन गए हैं। उन्होंने मैक्सिकन लोगों को पीछे छोड़ दिया है जिनकी संख्या 1,573 थी। पिछले पांच सालों में हर साल कनाडा से हटाए जाने वाले लोगों की लिस्ट में मैक्सिको टॉप पर था जबकि भारत लगातार दूसरे स्थान पर था।

डीएम की अध्यक्षता में विकसित भारत-जी राम जी योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु पंच सम्मेलन का आयोजन

ग्राम पंचायतों के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए तैयार की जाएगी ठोस कार्ययोजना- जिलाधिकारी,ग्राम प्रधानों एवं सचिवों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में विकसित भारत-जी राम जी योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पंच सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। पंच सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जनपद की ग्राम पंचायतों में समग्र, व्यवस्थित एवं सतत विकास को सुनिश्चित करना तथा विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक विकास कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित करते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना रहा। सम्मेलन में जनपद के खण्ड विकास अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायतें विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। ग्राम पंचायतों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन किया जाए। उन्होंने ग्राम प्रधानों एवं सचिवों से कहा कि ग्राम पंचायत की वर्तमान स्थिति, स्थानीय आवश्यकताओं तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित आकलन करते हुए ठोस, व्यवहारिक एवं परिणामपरक ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों में ग्राम पंचायत की प्राथमिक आवश्यकताओं को विशेष महत्व दिया जाए। विकास कार्यों के चयन एवं क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले कार्यों का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंचे और विकास कार्यों का स्थायी एवं सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे, यह सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों एवं सचिवों को योजना की भावना एवं उद्देश्यों को समझते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि पंच सम्मेलन के माध्यम से ग्राम स्तर पर विकास की आवश्यकताओं पर व्यापक चर्चा कर बेहतर कार्ययोजना तैयार करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों को योजना के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि योजना का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। सम्मेलन के दौरान विकसित भारत-जी राम जी योजना के विभिन्न प्रावधानों, ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया, विकास कार्यों के चयन, प्राथमिकता निर्धारण एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में ग्राम प्रधानों एवं सचिवों को जानकारी दी गई। प्रतिभागियों द्वारा योजना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा भी की गई तथा उनके सुझाव एवं जिज्ञासाओं पर अधिकारियों द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों एवं सचिवों से अपेक्षा की गई कि वे ग्राम पंचायतों में विकास की वास्तविक आवश्यकताओं को चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें तथा ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ग्राम पंचायतों को विकास की बेहतर दिशा प्रदान करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह सहित जनपद के समस्त संबंधित खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

15 अगस्त को गोपीगंज में आयोजित होगा स्वामी कमलेश्वरानंद जी का दिव्य गुरु जन्म महोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। ब्रह्मस्वरूप पूज्य

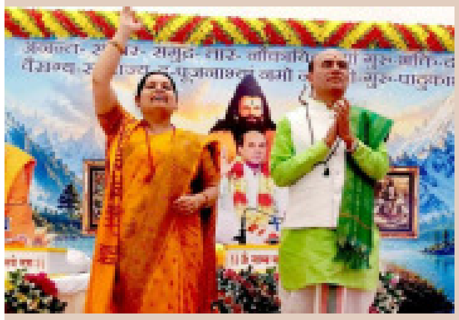

गुरुदेव श्री स्वामी कमलेश्वरानंद जी के पावन जन्म महोत्सव के उपलक्ष्य में आगामी 15 अगस्त 2026 को भदोही जिले के गोपीगंज स्थित 'राजपुत ढाबा एवं लॉन' में एक भव्य सत्संग-साधना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3:00 बजे से होगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालुओं व साधकों के जुटने की संभावना है। आयोजकों ने बताया कि इस दिव्य शिविर का मुख्य आकर्षण 'धनदा यक्षिणी दीक्षा' का कार्यक्रम रहेगा, जिसे पूज्य गुरुदेव स्वयं योग्य व इच्छुक साधकों को प्रदान करेंगे। भारतीय तांत्रिक एवं आध्यात्मिक परंपरा में यह दीक्षा समृद्धि, आत्मबल, सकारात्मकता और साधना की उन्नति के लिए अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती है। शिविर के माध्यम से साधकों को जीवन से भय, अभाव और मानसिक दरिद्रता को दूर कर आत्मविश्वास, प्रेम, शांति और आध्यात्मिक जागरण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी जाएगी। ?कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए आयोजकों ने कहा, 'गुरु कृपा ही जीवन की सबसे बड़ी संपदा है। जब गुरु का प्रकाश मिलता है, तब साधना व सिद्धि का मार्ग स्वयं प्रकाशित हो जाता है। साधना का वास्तविक फल साधक के आचरण, श्रद्धा और अनुशासन पर निर्भर करता है।' ?आयोजन समिति ने सभी धर्मानुरागी बंधुओं व साधकों से इस पावन पर्व पर उपस्थित होकर गुरुदेव के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित करने तथा सत्संग-साधना शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।। ध्यान योग जन जागृति सेवा संस्थान शाखा गोपीगंज भदोही मंडल के प्रमुख संरक्षक श्री डॉ घनश्याम दास गुप्ता जी, प्रमुख संयोजक बृजेश शुक्ला जी इंद्र सिंह जी अध्यक्ष योगेश सिंह उपाध्यक्ष प्रशांत मिश्रा सचिव जे सी तिवारी कोषाध्यक्ष विनय सिंह सहसचिव सतीश सिंह मीडिया प्रभारी शाश्वत सिंह एवं अन्य आयोजक मंडल सदस्य कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक हैं।

श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर नैनी सोमेश्वर नाथ महादेवन मंदिर में पुलिस, प्रशासन और 'नैनी यूथ टीम' के समन्वय से व्यवस्थाएं रहीं शांतिपूर्ण एवं सुगम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अपार श्रद्धा और

अनुशासित व्यवस्था का अद्भुत संगम श्रावण मास के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर भी नैनी (प्रयागराज) स्थित ऐतिहासिक श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर में पिछले सोमवार की तरह सुबह से ही श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए भक्तों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद और सेवा भाव से तैनात रहा। सुरक्षा एवं व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने में 'जिला अपराध निरोधक कमेटी'की 'नैनी यूथ टीम' ने बेहद सराहनीय कार्य करते हुए सेवा में उपस्थित रही। प्रमुख बिंदु एवं व्यवस्थाएं:-सुगम एवं शांतिपूर्ण दर्शनः नैनी यूथ टीम के सदस्यों ने मन्दिर के तीनों और 4-4स्वयंसेवकों की टोलियां (टोली) बनाकर पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन में सहयोग किया। इसके फलस्वरूप कहीं भी यातायात या व्यवस्था संबंधी कोई असुविधा उत्पन्न नहीं हुई। भविष्य का संकल्पः टीम नेतृत्व ने यह स्पष्ट किया है कि आने वाले श्रावण मास के तीसरे सोमवार में भी भोलेनाथ के भक्तों की सेवा और प्रशासन के साथ यह पूर्ण सहयोग और समर्पण निरंतर जारी रहेगा।

नेतृत्व एवं उपस्थित गणमान्य सदस्यः-यह संपूर्ण सेवा कार्य जिला अपराध निरोधक समिति ,सचिव श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव जी के आदेश पर यूथ टीम प्रभारी श्री मनीष विश्वकर्मा के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः-1. क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी श्री विमल सक्सेना, 2. जनसंपर्क अधिकारी तौसीफ खान, 3. श्री शिव प्रताप सिंह,4. श्री दिग्विजय सिंह, 5. मोहम्मद अरशद, 6. मोहम्मद इमरान, 7. मोहम्मद इस्ताद, 8. मोहम्मद शानू, 9. राम प्रकाश प्रजापति, एवं कमेटी के अन्य सम्मानित सदस्यगण। ' प्रशासन का सहयोग और जनसेवा ही हमारा परम कर्तव्य है।' नैनी यूथ टीम, प्रयागराज।

सामाजिक न्याय के महासूर्य कर्पूरी ठाकुर- डॉक्टर प्रमोद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारत रत्न

जननायक कर्पूरी ठाकुर की स्मृति में सामाजिक न्याय और कर्पूरी ठाकुर विषय पर दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 29 अगस्त को संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संगोष्ठी के संयोजक जननायक कर्पूरी ठाकुर शोध संस्थान के अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में तैयारियां चल रही हैं उनका सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में पचास वर्षों का लंबा अनुभव है।उन्होंने देश भर से कर्पूरी ठाकुर के विचारों से जुड़े लोगों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। चंद्रपाल सिंह नें कहा कि सविता सेन समाज के युवा आज अपने परिश्रम के बूते सिविल सर्विसेज सहित अन्य नौकरियों में अपना स्थान बना रहे हैं,वर्तमान समय में लगभग सभी क्षेत्रों में सेन समाज नें अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है।लेकिन राजनैतिक क्षेत्र में समाज की भागीदारी शून्य है जबकि इस समाज का राजनीति के क्षेत्र में समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है।कर्पूरी ठाकुर का राजनैतिक जीवन देखने पर लगता है,सादगी ईमानदारी एवं वंचित वर्ग को न्याय दिलाने के मामले में उनके जैसा कोई नेता दिखाई नहीं पड़ता है।

आयोजन समिति के सदस्य डॉक्टर प्रमोद शर्मा नें कहा कि कर्पूरी ठाकुर हम सबके स्वाभिमान एवं आदर्श हैं उनकी ही प्रेरणा से हम लोग संगठित होकर अपने परिश्रम से शासन सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।इस कार्यक्रम में देश के अलग अलग हिस्सों से जागरूक प्रहरी राजनेता सामाजिक कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं।

आईटीआई का परीक्षा परिणाम आज घोषित और आज ही 82 लोगो को टाटा मोटर्स ने दिया जॉब ऑफर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार

रायबरेली में दिनांक 10/08/2026 को रोजगार/शिशिक्षु मेले का आयोजन किया गया टाटा मोटर्स लखनऊ एवं पंतनगर उत्तराखंड के लिए एवं विशाखा इंडस्ट्री रायबरेली के लिये अप्रेंटिसशिप हेतु कुल 62 एवं टेंपरेरी वर्कमैन के लिए 20 पदों पर चयनित हुए जिसमे अप्रेंटिस हेतु वेतन 13870/- रुपये व टेम्परारी ऑपरेटर हेतु वेतन 15251/- रुपये प्रतिमाह देय है। साथ मे कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता मुफ्त में देय है। आज इस अवसर पर चंद्रकांत पांडेय,आशीष कुशवाहा,अभय कुमार श्रीवास्तव, राहुल,राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्टूडेंट्स स्टूडियो आगे बढे - डॉ राज लक्ष्मी राय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्टूडेंट्स स्टूडियो का

उद्घाटन महिला भूमिहार समाज की अध्यक्ष डॉक्टर राज लक्ष्मी राय ने किया, इस अवसर पर स्टूडेंट्स स्टूडियो की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। विजय के लिए नित्य प्रतिदिन, ऊंचाई के साथ ईश्वर से प्रार्थना की और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। पूनम राय ने कहा कि सोशल मीडिया के क्षेत्र में विजय अपना स्थान बना चुके हैं और आगे बढ़ो खूब सारा आशीर्वाद। चिंता राय ने कहां स्टूडियो दौड़ेगा और आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर विजय निषाद ने अपनी यात्रा बताते हुए कहा एक छोटे से कैमरे से स्टूडेंट्स स्टूडियो तक के सफ़र में विश्वविद्यालय महाविद्यालय छात्रावास एवं छात्रनेताओं एवं छात्र छात्राओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिसका हम दिल से आभार प्रकट करते हैं। इस अवसर पर करियर पाथवे के निदेशक इंजीनियर बीर पाल,अवधेश पटेल, अश्विनी पटेल, शिव प्रताप निषाद, मोहित निषाद, बनवारी पटेल उपस्थित रहे।

पराविधिक स्वयं सेवक हेतु करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 विधिक जागरुकता एवं विधिक सहायता कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित कराने व ऐसे सभी जिले स्तर एवं तहसील स्तर पर किया जाना है। आवेदक एवं पूर्व पराविधिक स्वयं सेवक भी अपना

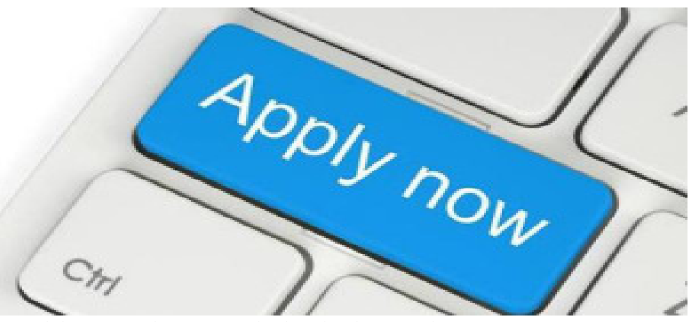

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा समाज के निम्नतम व्यक्ति/ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य, अनैतिक, अत्याचार के शिकार लोग या ऐसे लोग जिनसे बेगार कराया जाता है, महिलाएं एवं बच्चे, मानसिक रोगी एवं दिव्यांग, अनपेक्षित अभाव जैसे बहुविनाश, जातीय हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकम्प या औद्यौगिक विनाश की दशाओं के अधीन सताये हुए व्यक्ति या शहीद सैनिक के आश्रित, औद्यौगिक श्रमिक, किशोर, कारागार, मनोचिकित्सक अस्पताल या मनोचिकित्सकीय परिचार्यगृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्ति, समाज के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व एवं हर जरुरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों तक व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम हो को विधिक सहायता व न्याय दिलाने हेतु पराविधिक स्वयं सेवकों (Para Legal Volunteers) की नियुक्ति एक वर्ष के लिए की जानी है।

निःशुल्क विधिक सहायता हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिनियम, 1987 की धारा 9(3) के अधीन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली में पराविधिक स्वयं सेवकों का चयन चयन/पुर्नचयन हेतु अपना आवेदन पत्र मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली को सम्बोधित करते हुए फोटो युक्त बायोडाटा सहित आवेदन करें। आवेदन पत्र का प्रारुप इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड एवं जिला जजी के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया गया है। आवेदन करने से पूर्व चयन हेतु नालसा की उक्त योजना में चयन प्रावधानों का सम्पूर्ण अध्ययन करें। इच्छुक व स्थानीय व्यक्ति जो निःशुल्क योगदान/समाज सेवा हेतु तैयार हो, आम जनता के प्रति सेवाभाव रखने वाले व्यक्ति, अपना आवेदन निर्धारित प्रारुप पर(प्रारुप संलग्न) भरकर कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर, रायबरेली में स्वयं उपस्थित होकर/डाक द्वाराअन्तिम नियत तिथि दिनांक 19 अगस्त 2026 तक वाँछित अभिलेखों के साथ कार्यालय में जमा कर सकते है।

12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। उ0प्र0 राज्य

विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ जनपद न्यायाधीश रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जनपद रायबरेली में 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को मा0 अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन के द्वारा जनपद की तहसील सदर, महराजगंज, लालगंज, डलमऊ, ऊंचाहार व सलोन में आम-जन के मध्य राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया गया। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित मिश्रा द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर बैंक से सम्बन्धित प्री-लिटिगेशन मामले, बीमा से सम्बन्धित मामले, राजस्व से सम्बन्धित मामले, विद्युत से सम्बन्धित मामले, जल से सम्बन्धित मामले, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से सम्बन्धित मामले, परिवार न्यायालय से सम्बन्धित मामले एवं शमनीय दाण्डिक मामलों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण होने पर निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है तथा मामला अन्तिम रुप से निस्तारित हो जाता है। समस्त विद्वान अधिवक्तागण एवं वादकारीगण अपने मामलों को सम्बन्धित न्यायालय में प्रार्थनापत्र के माध्यम से लगवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण कर लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई-चालानी व चेक बाउंस के मामलों का सरल व सहज तरीके से लोक अदालत में निस्तारण कराया जा सकता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में अधिक जानकारी ए0डी0आर0 सेन्टर, छजलापुर, रायबरेली के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। वादकारी अपना मामला राष्ट्रीय लोक अदालत में लगाये जाने के लिए सम्बन्धित न्यायालय में भी प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर सकते है।

प्रयागराज में आजम खान ने पार्क को कब्रिस्तान बनाया,अतीक अहमद की मदद से कब्जा करवाया

प्रयागराज। सपा नेता आजम खान ने पार्क की जमीन पर कब्रिस्तान बनवा दिया। ये शिकायत 20 साल बाद मेयर गणेश केशरवानी ने ण्श योगी से की है। 'जनता दर्शन' में सीएम को दिए शिकायती लेटर में मेयर ने आरोप लगाया कि जिस पार्क में स्थानीय लोग और बच्चे खेलते, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक आयोजन कराते थे, उस पर आजम और अतीक अहमद ने मिलकर कब्जा कराया। 2006 में सपा सरकार के समय स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14, 15 और 18 अगस्त को सार्वजनिक छुट्?टी थी। इसी का फायदा उठाते हुए हजारों आदमियों को लाकर तीन दिन के अंदर कच्ची-पक्की दीवार खड़ी कर दी गई।उस समय कॉलोनी के लोगों ने विरोध भी किया। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन उस समय के शहरी विकास मंत्री आजम खान लगातार फोन पर धमकी देते रहे।

Gem of आधुनिक समाचार 2026-पुरस्कार समारोह हेतु परिचय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। डॉ. नम्रता जायसवाल एक समर्पित दंत चिकित्सक, जनकल्याण के कार्यों में भी सक्रिय रूप से योगदान देती हैं। वे महिला व्यापार मंडल की सदस्य हैं तथा Inner Wheel Club 'Navya' की

समाजसेवी एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तित्व हैं। पिछले 17 वर्षों से वे लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने और समाज की सेवा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। वे Maruti Dental Clinic की संचालिका हैं तथा अए एवं PGDO (Orthodontics) की योग्यताएँ रखती हैं। चिकित्सा सेवा के साथ-साथ वे सामाजिक एवं अध्यक्ष (2025-26) रह चुकी हैं। इसके साथ ही वे Vandana Child Care Trust से जुड़कर बच्चों के कल्याण एवं सामाजिक सेवा के कार्यों में अपना योगदान दे रही हैं। महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवा, बाल कल्याण एवं समाजसेवा के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता उन्हें सम्मान एवं पुरस्कार की एक योग्य और प्रेरणादायी शख्सियत बनाती है।

इंदिरा भवन में हुई पर्यवेक्षक की बैठक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का हुआ स्वागत,नवनियुक्त,पर्यवेक्षक अजय चौधरी एव सह पर्यवेक्षक सत्येंद्र शर्मा ने दी शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के तहत गाजियाबाद जिले के नवनियुक्त सह पर्यवेक्षक सत्येंद्र शर्मा एवं सहारनपुर के पर्यवेक्षक अजय चौधरी जी ने आज नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय राय जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सत्येंद्र शर्मा एवं अजय चौधरी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा संगठन को मजबूत बनाने और संगठन सृजन अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की। सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा, मेहनत और समर्पण के साथ निर्वहन किया जाएगा। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अजय राय जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन को नई मजबूती और नई ऊर्जा मिल रही है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के सहयोग से कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन सृजन अभियान की सफलता की कामना की।

गुरु बिन ज्ञान न होय : गुरु ही जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक - विभा शुक्ला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मनुष्य के जीवन में गुरु का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, लेकिन गुरु हमें जीवन को सही दिशा में जीने का मार्ग दिखाते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से शिष्य को ज्ञान, संस्कार, विवेक और आत्मचिंतन की प्रेरणा प्राप्त होती है। उक्त विचार सर्व शक्ति साधना मंडल महिला शाखा नोएडा की संयोजिका श्रीमती विभा शुक्ला ने गुरु चर्चा में व्यस्त की। श्रीमती विभा शुक्ला ने आगे बताया कि गुरु केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और सही निर्णय लेने की दृष्टि भी प्रदान करते हैं। जब मनुष्य भ्रम,

अहंकार और अज्ञान के अंधकार में भटकता है, तब गुरु का मार्गदर्शन उसे सत्य और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सच्चे गुरु की कृपा से साधक के भीतर श्रद्धा, संयम, सेवा और साधना का भाव विकसित होता है। गुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर नियमित रूप से चलने वाला शिष्य अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अनुभव कर सकता है। इसीलिए कहा गया है-'गुरु बिन ज्ञान न होय।' गुरु के प्रति श्रद्धा रखते हुए उनके बताए सद्मार्ग पर चलना ही शिष्य के जीवन की सबसे बड़ी साधना है।

डीएम की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न,रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ता शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों की निर्धारित समयसीमा में मरम्मत/रिप्लेसमेंट तथा गलत बिलिंग की शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण सुनिश्चित करें-डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के कार्यों एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता एवं मरम्मत, उपभोक्ताओं की शिकायतों तथा बिलिंग व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों की मरम्मत अथवा रिप्लेसमेंट निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उपभोक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराएं। बिलिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को गलत बिल अथवा ओवर बिलिंग की समस्या का सामना न करना पड़े। यदि किसी उपभोक्ता द्वारा गलत बिलिंग अथवा अधिक बिल आने की शिकायत की जाती है तो उसका तत्काल परीक्षण कर नियमानुसार गंभीरता से निस्तारण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग से संबंधित सेवाओं का सीधा प्रभाव आमजन के दैनिक जीवन पर पड़ता है, इसलिए अधिकारियों द्वारा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित, पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्यप्रणाली सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधीक्षण अभियंता अखिलेश कुमार,अविनाश पटेल सहित समस्त अधिशासी अभियंता, एसडीओ एवं जेई सहित विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई वीरांगना फूलन देवी की जयंती, कांवड़ियों का पुष्पवर्षा से किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में सेक्टर-72 स्थित ए-स्क्वायर मॉल स्थित सपा नोएडा महानगर

कार्यालय में पूर्व सांसद एवं वीरांगना फूलन देवी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके संघर्षपूर्ण जीवन, साहस तथा सामाजिक न्याय एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया। इसके पश्चात समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा सेक्टर-64 सहारा कट के निकट कांवड़ यात्रियों का

पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। कांवड़ियों के बीच पानी एवं फलों का वितरण कर उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। समाजवादी कार्यकर्ताओं ने सेवा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हुए कांवड़ यात्रियों का स्वागत किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि, 'वीरांगना फूलन देवी ने विपरीत परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करते हुए समाज के कमजोर, शोषित और वंचित वर्गों की आवाज को संसद तक पहुंचाने का कार्य किया। उनका संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं को जनहित में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।'प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि, 'फूलन देवी का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी सदैव सामाजिक समानता, भाईचारे तथा गरीब, पिछड़े, दलित और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।' उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव तथा महासचिव विकास यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि, 'कांवड़ यात्री हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी सेवा और स्वागत करना हम सभी का सौभाग्य है। समाजवादी पार्टी हमेशा आपसी भाईचारे, सद्भाव और मानव सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए कार्य करती रही है। कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा से स्वागत तथा पानी और फलों का वितरण इसी सेवा और सद्भाव की भावना का हिस्सा है। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर आगे भी जनसेवा के ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगा।'

व्यापार सभा की मासिक बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने का निर्णय-इसी क्रम में समाजवादी पार्टी व्यापार सभा नोएडा महानगर की मासिक बैठक का आयोजन व्यापार सभा अध्यक्ष बाबूलाल बंसल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में नोएडा महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापारी संगठन एवं समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में व्यापारियों ने संगठन को मजबूत करने तथा सदस्यता अभियान को बड़े स्तर पर चलाने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि व्यापार सभा के पदाधिकारी एवं सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक सदस्यता अभियान चलाएंगे और अधिक से अधिक व्यापारियों को समाजवादी पार्टी की नीतियों

व्यापार सभा ने सदस्यता अभियान को तेज करने का लिया संकल्प

एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारों से अवगत कराएंगे। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं, संगठन के विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि नोएडा के व्यापारी समाज को संगठन से जोड़कर समाजवादी पार्टी को महानगर स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे-डॉ. आश्रय गुप्ता, सुनील चौधरी, विकास यादव, गौरव कुमार यादव, वीरपाल अवाना, रामवीर यादव, लोकेश यादव, कृपा शंकर यादव, राम सहेली, लोकपाल पहलवान, अमित यादव, रेणुका मेथी, संतोष चौटाला, नितिन कुमार वाल्मीकि, बाबूलाल बंसल, शिव कुमार यादव, मनीष गोयल, उमेश सिंह, सरफराज अहमद, विकास कुमार, सुभाष मौर्या, जाहिद शैफी, सुखेंद्र यादव, अजीत सिंह, बिजेंद्र यादव सहित अनेक समाजवादी कार्यकर्ता एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 को जनपद में सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने किया विभिन्न शिवालयों, प्रमुख कांवड़ मार्गों एवं शिविरों का निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन को लेकर दिए आवश्यक निर्देश,कांवड़ शिविरों में गुणवत्तापूर्ण खान-पान, चिकित्सा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ रखने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महाशिवरात्रि एवं कांवड़

यात्रा-2026 को जनपद में शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत आज पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह एवं जिलाधिकारी मेधा रूपम ने जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों, विभिन्न शिवालयों एवं कांवड़ शिविरों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने चिल्ला बॉर्डर, श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर, सेक्टर-14ए नोएडा तथा शिव मंदिर नानकेश्वर, ग्राम भाईपुर, जेवर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों एवं कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन,

यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा तथा कांवड़ शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। कांवड़ शिविरों के निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने शिविरों में बनाए गए किचन, वहां तैयार की जा रही खाद्य सामग्री, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं शिविर संचालकों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों को मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ खान-पान उपलब्ध कराया जाए तथा भोजन तैयार करने वाले स्थानों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने शिविरों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा निगरानी व्यवस्था का भी जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।इसी क्रम में

मेडिकल शिविरों का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध दवाइयों, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था एवं चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली गई। पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेडिकल शिविरों में आवश्यक दवाइयां पर्याप्त

मात्रा में उपलब्ध रहें और चिकित्सकीय टीम पूरी तत्परता के साथ तैनात रहे, जिससे आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों के आवागमन को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित रहें। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग, पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कांवड़ मार्गों एवं शिवालयों के आसपास साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। साथ ही कांवड़ शिविरों में स्वच्छता, भोजन, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी पहले से सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि महाशिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को लेकर सभी विभाग पूरी तत्परता के साथ कार्य करें, ताकि जनपद में महाशिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल संपन्न कराया जा सके। इस अवसर पर एडिशनल सीपी राजीव नारायण मिश्रा, डीसीपी नोएडा साद मियां खान, डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम, डीसीपी शव्या गोयल, सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों ने सेक्टर 73 में कावड़ियों का किया स्वागत, बांटे हाथ से बने उपहार,फर्स्टवन रिहैब के बच्चों ने श्रद्धा और सेवा का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सावन के दूसरे सोमवार से बताया कि कावड़ यात्रा कैसे की जाती है, इस यात्रा में स्पेशल एजुकेटर इलिका रावत और फिजियोथेरेपिस्ट अभिनव

को नोएडा के सेक्टर 73 में फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन के विशेष बच्चों के लिए आज का दिन किसी सपने से कम नहीं रहा। कावड़ यात्रा में आए श्रद्धालुओं से जब बच्चों की मुलाकात हुई तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। अधिकांश बच्चों ने कावड़ियों को अब तक सिर्फ टीवी पर ही देखा था, आज उन्हें सामने से देखने और बात करने का अवसर मिला। इस दौरान बच्चों की मुलाकात 201 लीटर गंगाजल लेकर कावड़ यात्रा कर रहे बॉबी यादव से भी हुई। बॉबी यादव और अन्य कावड़ यात्रियों ने बच्चों को बहुत प्रेम भोलेनाथ कैसे शक्ति प्रदान करते हैं, सावन का क्या महत्व है और इस यात्रा का आध्यात्मिक अर्थ क्या है। उनकी बातें सुनकर बच्चे मंत्रमुग्ध हो गए।बच्चों ने कावड़ियों को अपने हाथों से तैयार हैंडवॉश, सम्मान पत्र और महादेव की मिट्टी की कलाकृति भेंट कर उनका सम्मान किया। फाउंडेशन का उद्देश्य बच्चों में सेवा, श्रद्धा और संस्कार की भावना को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. महिपाल सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, सीईओ डॉ. सुष्मिता भाटी, एडमिन हेड कृष्णा यादव, प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्नेहा पुरी, ग्रंथ गुप्ता, वंश, सानवी सिन्हा, राजवी सिंह, राघवी सिंह और आरव सिंह सहित कई बच्चों ने भाग लिया। दीपक सिंह, भावना सोनी, गौरी पुरी, सुनीता भाटी, अनाया सिंह, भाविका चौहान, रजत शर्मा और रितेश सिन्हा ने वॉलंटियर के रूप में सहयोग किया। फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन ने समाज के सभी संस्थानों और लोगों से अपील की है कि वे भी कावड़ियों और श्रद्धालुओं से मिलें और ऐसी गतिविधियों में भाग लें जो हमें अपनी संस्कृति, देश और समाज के करीब लाती हैं।

'भाजपा विधायक हम दोनों भाइयों को मरवा देंगे',सुलतानपुर में एसपी ऑफिस पहुंचे पूर्व ब्लॉक प्रमुख

सुलतानपुर। सुल्तानपुर से भाजपा विधायक विनोद सिंह पर पूर्व विधायक सोनू सिंह के भाई मोनू ने हत्या की साजिश का आरोप लगाया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह (मोनू) ने सोमवार दोपहर 2:30 बजे एसपी से मुलाकात कर उन्हें विनोद सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत दी। मोनू सिंह ने बताया कि 6 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिए एक ऑडियो सामने आया। इसमें विधायक विनोद सिंह एक महिला से बातचीत कर रहे हैं। वह मेरी और मेरे और मेरे भाई सोनू सिंह की हत्या कराने की बात कहते सुनाई दे रहे। भाजपा विधायक कभी भी हम दोनों भाइयों की हत्या करा सकते हैं। एसपी को पेन ड्राइव सौंपी, कहा- ऑडियो की जांच कराएं-यशभद्र सिंह (मोनू) ने एसपी को लिखित शिकायत के साथ ही वायरल ऑडियो की रिकॉर्डिंग वाली पेन ड्राइव सौंपी है। उनकी मांग है कि ऑडियो की आवाज और सत्यता की जांच विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराई जाए। साथ ही विधायक विनोद सिंह के खिलाफ हत्या की साजिश का केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। 'हम दोनों भाइयों पर प्रयागराज-अयोध्या कोर्ट में हमले हुए' मोनू सिंह ने प्रयागराज कोर्ट में हुए जानलेवा हमले का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें पुलिसकर्मी, अधिवक्ता और प्रार्थी को गंभीर चोटें आई थीं। इसके अलावा 9 जुलाई, 2024 को अयोध्या कोर्ट परिसर भी हम दोनों पर हुए हमले में कई लोग घायल हुए थे। इस मामले में विधायक विनोद सिंह नामजद अभियुक्त भी हैं। एआई ऑडियो के दावे पर मोनू सिंह ने दिया जवाब-वायरल ऑडियो की सत्यता और महिला के आरोपों को लेकर मोनू सिंह ने कहा- इस बारे में पक्षों या केएनआईटी के पूर्व प्रोफेसरों से जानकारी ली जा सकती है। ऑडियो के एआई-जनरेटेड होने के दावों पर उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति अपना वॉइस सैंपल देकर फोरेंसिक जांच करा सकता है।वायरल ऑडियो में विधायक के नाम से एक महिला से बातचीत का दावा किया जा रहा।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत दर्जी एवं हलवाई ट्रेड का साक्षात्कार स्थगित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग श्री विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान किए जाने हेतु कार्यालय में दिनांक 01 अप्रैल 2026 के बाद पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के चयन के लिए निर्धारित साक्षात्कार अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिए गए हैं। ट्रेड दर्जी के लिए दिनांक 11 एवं 12 अगस्त 2026 तथा ट्रेड हलवाई के लिए दिनांक 14 अगस्त 2026 को प्रातः 11:00 बजे से प्रस्तावित साक्षात्कार स्थगित किए गए हैं। साक्षात्कार की नई तिथि एवं समय की सूचना बाद में पृथक रूप से दी जाएगी।

संबंधित अभ्यर्थी नवीन तिथि की सूचना के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र से संपर्क रखें।

सोनभद्र में दर्दनाक सड़क हादसा अनियंत्रित बल्कर की चपेट में आने से साइकिल सवार किशोर की मौत, दो घायल

सोनभद्र।जनपद सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलगुड़वा तिराहे पर रविवार को

एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। एचपी पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बल्कर ने साइकिल सवार तीन किशोरों को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि बल्कर एक किशोर को करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, चोपन थाना क्षेत्र के झपरहवा अगरिया बस्ती के रहने वाले तीन किशोर एक ही साइकिल पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही वे तेलगुड़वा स्थित एचपी पेट्रोल पंप के समीप पहुँचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार भारी वाहन (बल्कर) ने उनकी साइकिल में साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही साइकिल पर सवार दो किशोर आशीष कुमार और रूपेश कुमार छिटककर सड़क किनारे गिर पड़े, जिन्हें मामूली चोटें आईं और वे बाल-बाल बच गए। वहीं, तीसरा किशोर बल्कर के निचले हिस्से में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद भी चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और वाहन में फंसे किशोर को करीब 100 मीटर तक घसीटता चला गया। इस भीषण दुर्घटना में गंभीर रूप से कुचल जाने के कारण झपरहवा अगरिया बस्ती निवासी शिव मंगल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र हो गए। मौका पाकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही चोपन थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से पुलिस ने घटना में शामिल बल्कर को अपने कब्जे में लेकर थाने भिजवाया। पुलिस ने मृतक शिव मंगल के शव का पंचनामा भरकर अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस फरार बल्कर चालक की तलाश में जुट गई है तथा विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

छह पेयजल परियोजनाओं को मिली मंजूरी, पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता होगी सुनिश्चित,प्रदेश सरकार ने रिहंद, ओबरा व धनरौल बांध तथा रेनू नदी से कच्चा जल उठाने की दी मंजूरी

रेणुकूट, अनपरा, ओबरा, पिपरी, चुर्क सहित नगरीय क्षेत्रों में पेयजल संकट के समाधान का मार्ग प्रशस्त,इनटेक वेल, पाइप लाइन व पंपिंग स्टेशन का निर्माण कराएगा जल निगम,परियोजनाओं के पूर्ण होने से नागरिकों को सुचारु एवं बेहतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी : जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आमजन को पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की योगी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सोनभद्र के नगरीय क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति को और सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने बांधों व नदियों से कच्चा जल उठाकर ट्रीटमेंट के पश्चात आपूर्ति सुनिश्चित करने व इनटेक वेल निर्माण संबंधी छह परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर रेणुकूट, अनपरा, ओबरा, पिपरी तथा सोनभद्र नगर क्षेत्र सहित अन्य नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को मजबूती मिलेगी और जल संकट का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सकेगा।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि शासन द्वारा रिहंद, धनरौल व ओबरा बांध तथा रेणु नदी से कच्चा जल उपलब्ध कराए जाने तथा पेयजल परियोजनाओं के लिए इनटेक वेल निर्माण के संबंध में सहमति प्रदान की गई है। स्वीकृति के अनुसार पिपरी नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए रिहंद बांध से 6.53 एमएलडी, ओबरा नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए ओबरा बांध से 21.47 एमएलडी, अनपरा नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए रिहंद बांध से 30 एमएलडी, चुर्क नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए धनरौल बांध से 2.77 एमएलडी, सोनभद्र नगर पालिका परिषद पेयजल योजना के लिए धनरौल बांध से 26 एमएलडी तथा रेणुकूट नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए रेनू नदी से 11 एमएलडी कच्चा जल उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-जिलाधिकारी ने बताया कि परियोजनाओं के अंतर्गत इनटेक वेल, पाइप लाइन, पंपिंग स्टेशन आदि आवश्यक संरचनाओं का निर्माण उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा कराया जाएगा। बताया कि इनटेक वेल के निर्माण से पूर्व निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बांधों से केवल लाइव स्टोरेज से ही पानी लिया जाएगा तथा निर्धारित मात्रा से अधिक से जल लेने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही इनटेक वेल का निर्माण बाढ़ एवं कटान क्षेत्र से बाहर किया जाएगा तथा संरचनाओं का डिजाइन नदी के कटान एवं सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं के लिए आवश्यक ड्राइंग, डिजाइन एवं ले-आउट प्लान सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को उपलब्ध कराया जाएगा। स्टीमेट के अनुमोदन की स्वीकृति के बाद टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में नागरिकों को स्वच्छ, पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। अमृत 2.0 के अंतर्गत इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से नगरीय क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था में व्यापक सुधार आएगा और विशेष रूप से रेणुकूट एवं अनपरा, पिपरी, चुर्क, ओबरा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सोनभद्र शक्तिनगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता 1.57 किलो अवैध गांजे के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में मादक पदार्थों की तस्करी एवं थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा अमल में लाई गई। मिली किलोग्राम 571 ग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे

अवैध बिक्री पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शक्तिनगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक शातिर तस्कर को 1 किलो 571 ग्राम अवैध गांजे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह प्रभावी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर)अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल मार्गदर्शन में जानकारी के अनुसार, शनिवार (8 अगस्त 2026) को दोपहर करीब 2:20 बजे थाना शक्तिनगर पुलिस टीम को मुखबिर से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की सटीक सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए शक्तिनगर थाना क्षेत्र के के.एन.वाई. शिव मंदिर के पास, डफाली बस्ती (जामशीला) में घेराबंदी की। मौके से पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रोककर जब उसकी तलाशी ली, तो उसके कब्जे से 1 के साथ गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान शिवम गुप्ता उर्फ पुष्पा (उम्र करीब 19 वर्ष), पुत्र शिवचरण गुप्ता, निवासी ग्राम कोहरौल, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ सुसंगत धाराओं (एनडीपीएस एक्ट) में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण की और उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया है।

गैंगस्टर एक्ट के दो आरोपितों के घर कोन पुलिस ने चस्पा किया नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन/सोनभद्र। गैंगस्टर एक्ट के एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम से नवाबगंज, प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष के घर पर भी न्यायालय

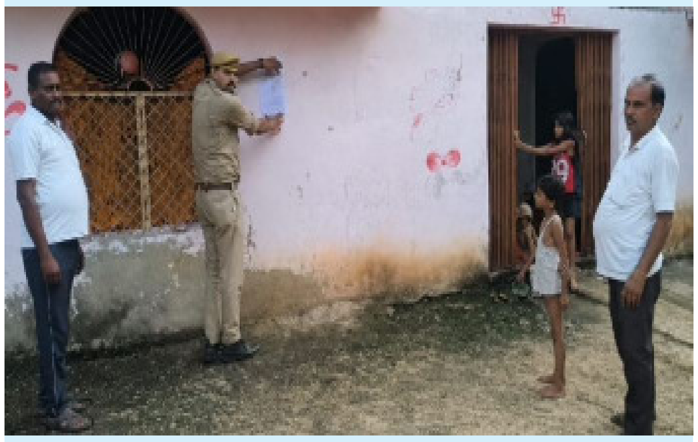

मुकदमे में वांछित चल रहे दो आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर कोन पुलिस ने धारा 84 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों आरोपितों के घर पहुंचकर न्यायालय का नोटिस चस्पा किया और उनके स्वजन को निर्धारित अवधि में न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित होने की जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, थाना चोपन में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 420/25, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद संबंधित आरोपित धीरेंद्र तिवारी उर्फ राजेश तिवारी पुत्र कैलाश तिवारी, निवासी ग्राम सलैया, थाना कमर्जी, जनपद सीधी, मध्य प्रदेश के विरुद्ध न्यायालय सोनभद्र ने 13 जुलाई 2026 को धारा 84 बीएनएसएस के तहत आदेश जारी किया था। इसके अनुपालन में कोन पुलिस ने आरोपित के घर पहुंचकर नोटिस चस्पा किया। इसी क्रम में गैंग सदस्य आयुष पांडेय उर्फ नितिन पुत्र सुनील कुमार पांडेय, निवासी बनाई का पुरा, जुड़ापुर, थाना का नोटिस चस्पा किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के स्वजन को बताया कि नोटिस चस्पा होने के 15 दिन के भीतर संबंधित न्यायालय अथवा सोनभद्र पुलिस के समक्ष उपस्थित होना होगा। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोन अखिलेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कोन पुलिस द्वारा की गई।

वन विभाग से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण से विकास कार्यों में आएगी तेजी-जिलाधिकारी,जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वन विभाग से संबंधित मामलों के निस्तारण के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

बीएसएनएल टावर, विद्यालयों के विद्युतीकरण एवं जल जीवन मिशन की विद्युत लाइनों से संबंधित प्रकरणों की हुई विस्तृत समीक्षा,जनपद स्तर पर निस्तारित होने वाली वन विभाग की आपत्तियों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण के निर्देश,तीन बीएसएनएल टावरों की स्थापना में आ रही वन विभाग संबंधी समस्या शीघ्र ही दूर करने के निर्देश,वन अधिकार के पट्टों एवं विभिन्न विभागों के प्रस्तावों की भी हुई समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के कक्ष में वन विभाग से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ दूरसंचार नेटवर्क को और बेहतर बनाया जा सके। विद्यालयों के विद्युतीकरण में आ रही बाधाओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश-विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता द्वारा विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत पोल लगाए जाने तथा प्राथमिक विद्यालयों तक विद्युत लाइन पहुंचाने में वन विभाग से संबंधित आपत्तियों एवं समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित वन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों के विद्युतीकरण से जुड़े प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाए तथा विद्युत लाइन एवं पोल स्थापना में आ रही बाधाओं का शीघ्र परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जा सके। बैठक के दौरान वन अधिकार के पट्टों से संबंधित पत्रावलियों की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। विभिन्न विभागों द्वारा वन विभाग को प्रेषित किए जाने वाले प्रस्तावों तथा उन पर वन विभाग द्वारा की जा रही आपत्तियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन आपत्तियों का निस्तारण जनपद स्तर पर संभव है, उनका निस्तारण निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर अनावश्यक पत्राचार अथवा लंबित प्रकरणों के कारण विकास

महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन विभाग, विद्युत विभाग, जल जीवन मिशन, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वन विभाग से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की विभागवार एवं बिंदुवार समीक्षा करते हुए कहा कि वन विभाग से संबंधित प्रकरणों के कारण जनपद में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी कार्य किसी भी स्थिति में अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बीएसएनएल के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण न होने के कारण जनपद के तीन जोराकाहू, कोटा, म्योरपुर ब्लॉक के बिच्छी गांव में बीएसएनएल टावरों की स्थापना का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित प्रकरणों का परीक्षण करते हुए शीघ्र ही निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि टावर स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा सके और संबंधित क्षेत्रों में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए ऐसे कार्य अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए। जल जीवन मिशन की 11 केवी विद्युत लाइन के कार्य में आ रही

वन विभाग की आपत्ति के समाधान के निर्देश-बैठक में जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत विद्युत आपूर्ति के लिए 11 केवी विद्युत लाइन के तार खींचने में वन विभाग से संबंधित आ रही समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित वन एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण एवं आवश्यक समन्वय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्युत लाइन बिछाने एवं तार खींचने का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सके और जल जीवन मिशन की कार्य प्रभावित न हों। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को वन विभाग के अधिकारियों से निरंतर समन्वय स्थापित करते हुए लंबित प्रकरणों की विभागवार सूची तैयार करने तथा प्रत्येक प्रकरण में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने को कहा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित विकास कार्यों में वन विभाग से संबंधित जो भी प्रकरण लंबित हैं, उनका नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे विकास कार्यों की गति प्रभावित न हो और शासन की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके। बैठक में प्रभारी वन अधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशुतोष कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रभारी वन अधिकारी रेणुकूट, वन विभाग के अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, जल जीवन मिशन के अधिकारी, उप जिलाधिकारी दुद्धी, उप जिलाधिकारी घोरावल सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

सोया चाप बैटर में लोटता दिखा वर्कर ,जानें FSSAI के हाइजीन रूल्स, रेस्त्रां में खाने से पहले बरतें 11 सावधानियां

नयी दिल्ली। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें एक शर्टलेस वर्कर गीले फर्श पर रखे सोया चाप के बैटर में लोटता हुआ नजर आया। वीडियो

कथित तौर पर एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का है। इस घटना ने फूड हाइजीन और फूड सेफ्टी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हर दिन लाखों लोग पैकेज्ड फूड खरीदते हैं, ऑनलाइन खाना ऑर्डर करते हैं और रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं। वे यह भरोसा करते हैं कि खाना बनाने से लेकर परोसने तक साफ-सफाई और फूड सेफ्टी के मानकों का पालन किया गया होगा। लेकिन ऐसे वीडियो लोगों की चिंता बढ़ा देते हैं। यही नहीं, आए दिन देश के अलग-अलग हिस्सों से मिलावटी खाने, गंदे माहौल में फूड तैयार करने और खराब हाइजीन से जुड़े मामले सामने आते रहते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए फूड क्वालिटी और साफ-सफाई के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज फूड हाइजीन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- अनहाइजीनिक तरीके से तैयार फूड खाने से क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? फूड आउटलेट या रेस्टोरेंट में खाने से पहले किन बातों का ध्यान रखें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- अनहाइजीनिक तरीके से बनाए गए फूड के क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं?जवाब- अगर हाइजीन का ख्याल न रखा जाए और खाना गंदगी में बने तो ऐसे में बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं। ये खाने को दूषित कर देते हैं। इससे फूड पॉइजनिंग और आंतों का संक्रमण समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों, प्रेग्नेंट महिलाओं और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में रिस्क ज्यादा होता है। अनहाइजिनिक फूड के हेल्थ रिस्क-फूड पॉइजनिंग, दस्त और उल्टी, पेट दर्द / ऐंठन, बुखार, डीहाइड्रेशन, टाइफाइड, हैजा (कॉलरा), डायरिया, हेपेटाइटिस ए, ई आंतों में इन्फेक्शन। सवाल- किन गलतियों से फूड कंटैमिनेशन का रिस्क बढ़ जाता है? जवाब- खाना बनाने, स्टोर करने और परोसने के दौरान हाइजीन मेंटेन न करने से फूड कंटैमिनेशन का रिस्क बढ़ता है। जैसेकि- खाना बनाते-परोसते समय हाथ न धुलना। गंदे बर्तन या किचन अप्लायंस यूज करना। पके हुए खाने को लंबे समय तक बाहर रखना। एक ही तेल को बार-बार गर्म करके खाना बनाना। कच्चे और पके हुए खाने को साथ रखना। खाने को ढककर न रखना। सवाल- सोया चाप के अलावा बाहर के किन फूड्स में खराब हाइजीन का रिस्क होता है? जवाब- ऐसे फूड्स, जो बड़े पैमाने पर तैयार किए जाते हैं, उनके दूषित होने का रिस्क ज्यादा होता है। इन फूड्स में खराब हाइजीन का रिस्कः-सोया चाप, पनीर, मिठाइयां (खोया बेस्ड) नमकीन और भुजिया, बेकरी प्रोडक्ट्स, आइसक्रीम, पैक्ड सैंडविच और बर्गर, रेडी-टू-ईट करी और ग्रेवी, कटे हुए फल, सलाद, स्ट्रीट स्टाइल चटनी और सॉस, फ्रोजन स्नैक्स (समोसा, कटलेट, नगेट्स) सवाल- इन फूड आइटम्स में जोखिम ज्यादा क्यों होता है? जवाब- इन्हें तैयार और स्टोर करने की प्रक्रिया लंबी होती है। अगर किसी भी स्टेप में साफ-सफाई या फूड सेफ्टी के नियमों का पालन न हो तो खाना दूषित हो सकता है। इसकी मुख्य वजहें हैं- तैयार करने के दौरान कई लोगों के हाथों का संपर्क होना। कई स्टेप्स में प्रोसेसिंग होना। नमी ज्यादा होना। इससे बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं। जल्दी खराब होने वाले कच्चे पदार्थों का इस्तेमाल होना। तैयार खाने को गलत तापमान पर स्टोर करना। मशीनों और बर्तनों की ठीक से सफाई न करना। कच्चे और पके खाने का आपस में संपर्क (क्रॉस-कंटैमिनेशन) होना। सवाल- किसी आउटलेट या रेस्टोरेंट में खाने से पहले किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान कुछ बुनियादी चीजें जरूर चेक करें। इससे साफ-सफाई और फूड हाइजीन का अंदाजा लगाया जा सकता है। रेस्टोरेंट सेफ्टी चेक खाने

से पहले जरूर देखेंः- स्टाफ ने ग्लव्स पहना है। किचन का शीशा पारदर्शी है। बर्तन साफ हैं। मक्खियां नहीं हैं। सिर पर हेयर कैप है।कुकिंग प्रोसेस दिख रहा है। टेबल साफ है। मक्खियां नहीं हैं। खाना ढका हुआ है। हाथ धोने की व्यवस्था है। बदबू नहीं है। बाथरूम साफ-सुथरा है। सवाल- सोया चाप खरीदने से पहले किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- ये सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि सोया चाप सेफ है या नहीं। इसलिए- बाजार से सोया चाप बिल्कुल न खरीदें। चाहे रेस्टोरेंट कितना भी नामी या भरोसेमंद हो। सोया की कोई भी डिश घर में बनाकर ही खाएं। सवाल- क्या किसी साफ-सुथरे, अच्छे होटल में भी सोया चाप खाना सेफ नहीं है? जवाब- नहीं, सिर्फ होटल का साफ-सुथरा दिखना इस बात की गारंटी नहीं है कि सोया चाप सेफ है। दरअसल सोया चाप एक अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड है। इसे कई स्टेप्स में तैयार किया जाता है-फैक्ट्री में सोया चाप बनाया जाता है। उबालकर या स्टीम देकर पकाया जाता है। ठंडा करके पैक किया जाता है। फिर कोल्ड चेन के जरिए सप्लाई की जाती है। रेस्टोरेंट में पैकेज्ड सोया चाप मंगाई जाती है। उसे मसालों में मैरिनेट किया जाता है। फिर तंदूर, ग्रिल या तवे पर दोबारा पकाकर परोसा जाता है। बाहर कोई भी ऐसी चीज खाना अवॉइड करना चाहिए, जिससे जुड़ी मिलावट बहुत आम है। जैसेकि सोया चाप या पनीर जैसी चीजों में मिलावट इतने बड़े पैमाने पर होती है कि आप इसे लेकर 100फीसदी श्योर नहीं हो सकते। सवाल- एफ.एस.एस.ए.आई के अनुसार, किसी भी रेस्टोरेंट के लिए कौन-से हाइजीन रूल्स फॉलो करना जरूरी है, वरना उनका लाइसेंस कैंसिल हो सकता है? जवाब- एफ.एस.एस.ए.आई ने इसके लिए कई नियम तय किए हैं। एफ.एस.एस.ए.आई के हाइजीन रूल्स- किचन हमेशा साफ रखें। कर्मचारी साफ-सुथरे रहें। हाथ धोकर खाना बनाएं। कच्चा-पका खाना अलग रखें। साफ पानी का इस्तेमाल खाना सही तापमान पर रखें। वर्तन नियमित सैनिटाइज करें। कीड़ों-चूहों से बचाव करें। रेगुलर पेस्ट कंट्रोल करें। एक्सपायर्ड सामान न रखें। कचरा समय पर हटाएं। खाद्य सामग्री ढककर रखें। लाइसेंस और रिकॉर्ड अपडेट रखें। नियम तोड़ने पर-नोटिस मिल सकता है। जुर्माना लग सकता है। लाइसेंस सस्पेंड हो सकता है। लाइसेंस रद्द हो सकता है। सवाल- एफ.एस.एस.ए.आई के अनुसार, फूड हैंडलर्स को किन हाइजीन नियमों का पालन करना अनिवार्य है? जवाब- फूड हैंडलर्स को बुनियादी साफ-सफाई का ख्याल रखना अनिवार्य है। एफ.एस.एस.ए.आई ने इसके लिए कई रूल्स तय किए हैं। फूड हैंडलर्स के लिए हाइजीन रूल्स साबुन से बार-बार नाखून छोटे और हाथ धोएं। साफ रखें। साफ एप्रन, हेयर कैप पहनें। साफ-सुथरा कपड़ा पहनें। किचन में हैवी जूलरी न पहनें। फूड हैंडलिंग के दौरान तंबाकू न खाएं। स्मोकिंग न करें और थूकें नहीं। पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखें। खांसते-छींकते समय फूड सेफ रखें। बीमार होने पर फूड हैंडलिंग न करें। खुले घाव पर पट्टी बांधें। सवाल- नियमों के उल्लंघन पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर फूड सेफ्टी विभाग अलग-अलग कार्रवाई कर सकता है। जैसेकि- सुधार नोटिस जारी करना। जुर्माना लगाना। फूड जब्त या नष्ट करना। लाइसेंस सस्पेंड करना। लाइसेंस कैंसिल करना। गंभीर मामलों में मुकदमा और जेल की सजा का प्रावधान है। सवाल- किसी रेस्टोरेंट में गंदगी दिखे तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में वहां खाना न खाएं। जरूरत पड़ने पर इसकी फोटो या वीडियो सबूत के तौर पर रखें और रेस्टोरेंट मैनेजमेंट से शिकायत करें। अगर समस्या गंभीर हो तो राज्य के फूड सेफ्टी विभाग या एफ.एस.एस.ए.आई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल/एप पर शिकायत दर्ज करें। सवाल- अगर खाने के बाद कोई हेल्थ प्रॉब्लम हो तो क्या करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए-ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। खुद से एंटीबायोटिक दवा न लें। शरीर में पानी की कमी न होने दें। अगर संभव हो तो बचा हुआ खाना या बिल संभालकर रखें। इससे जरूरत पड़ने पर जांच में मदद मिल सकती है।सवाल- अनहाइजीनिक फूड की शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- एफ.एस.एस.ए.आई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप या पोर्टल पर शिकायत करें। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग/फूड सेफ्टी अधिकारी से शिकायत करें। शिकायत के साथ फोटो, वीडियो, बिल या रसीद जरूर अपलोड करें। जांच सही पाए जाने पर संबंधित आउटलेट के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

मोदी बोले- मीराबाई के आंसू गोल्ड मेडल जैसे लगे,हरियाणा की सीमा बोली- लोग ताने मारते थे पीएम से मिली क्या, अब कहूंगी हां मिली हूं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मुलाकात का

वीडियो सोमवार को यूट्यूब पर लाइव किया गया। पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत में कहा, पिछले 10-12 सालों में अगर मैं इस आवास पर नियमित रूप से किसी से मिला हूं, तो वे खिलाड़ी हैं। 10-12 सालों में खिलाड़ियों की मेहनत, लगातार सफलता और नई ऊंचाइयों को छूने की परंपरा ने देश का मान बढ़ाया है। दिलीप बोले- मैंने अपना मेडल गुरु को गिफ्ट किया-पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने अपना मेडल अपने गुरु को समर्पित किया। उन्होंने कहा, इवेंट के दिन गुरु पूर्णिमा थी और मैंने अपने गुरु को यह मेडल गिफ्ट के तौर पर दिया। दिलीप ने पुरुषों की पैरा ऊ47 कैटेगरी की 100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया था। चानू बोलीं- मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी- पीएम मोदी ने वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से कहा, आपके इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगा, हर बूंद से जैसे गोल्ड मेडल टपक रहा हो। चानू ने कहा- 'पेरिस ओलिंपिक में मेडल से चूकने के बाद पिछले चार साल मेरे लिए बेहद मुश्किल रहे। इस दौरान मुझे लगातार चोटों और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और राष्ट्रगान बज रहा था, तब मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी।' चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 ु वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाकर गोल्ड जीता था। जादुमणि ने कहा- तय कर लिया था पाकिस्तान को हराना है- मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने 26 जुलाई को प्री-क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के रहमान सुमामा को 5-0 से हराया था। कारगिल विजय दिवस के दिन हुए इस मुकाबले पर जादुमणि ने कहा, मैं भारतीय सेना से जुड़ा हूं, इसलिए मैंने पहले ही तय कर लिया था कि पाकिस्तान को हराना है। मैंने 5-0 से जीत दर्ज की और अपना मेडल कारगिल के वीरों को डेडिकेट किया। पीएम मोदी ने उनके इस जज्बे की तारीफ करते हुए कहा कि कारगिल के वीरों को मेडल समर्पित करने की भावना ने इस जीत को और खास बना दिया। जादुमणि ने 55किग्रा कैटेगरी में सिल्वर जीता था। हारने के बाद पाकिस्तानी बॉक्सर बोला- 'नरेंद्र' नाम से नफरत हो गई है-मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा, 2015 के वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में पाकिस्तान के खिलाफ मेरी पहली फाइट थी। मिलिट्री की ओर से कॉल आई थी कि पाकिस्तान से नहीं हारना है। मैंने मुकाबला जीत लिया, लेकिन इस दौरान हम दोनों खिलाड़ी चोटिल हो गए और जीत के बाद दोनों को अस्पताल जाकर टांके लगवाने पड़े। वहां उसने मुझसे पूछा, 'भाई जान, एक बात बोलूं?' मैंने कहा, 'हां, बोलो।' उसने कहा, 'आपका नाम नरेंद्र है, आपके कोच का नाम भी नरेंद्र है और आपके प्रधानमंत्री का नाम भी नरेंद्र है।' इसके बाद उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि उसे 'नरेंद्र' नाम से ही नफरत हो गई है।' सीमा बोलीं- दोस्तों को बताउंगी, हां मैं मोदी जी से मिली हूं- हरियाणा की सीमा कालीरमन ने कहा, मेरे दोस्त अक्सर मजाक में पूछते थे, 'तन्नै मोदी तै मुलाकात कर ली के?' यानी, क्या तू मोदी से मिली हुई है? अब मैं खुशी से उन्हें बोल पाउंगी कि हां, मैं मोदी जी से मिली हूं।

सीमा ने डिस्कस थ्रो में 58.65 मीटर का थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल जीता था। मुक्केबाजों ने सबसे ज्यादा मेडल जीते-भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

खिलाड़ी मशीन नहीं, फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण

कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

स्पोर्ट डेस्क। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ

एक्सीलेंस (सीओई) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सीओई और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा- सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- 'सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है। लक्ष्मण ने खिलाड़ी के इंजरी से फिट होने तक का प्रोसेस समझाया-लक्ष्मण ने अपनी बात समझाने के लिए जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सिलेक्टर्स सीओई से खिलाड़ी की फिटनेस की रिपोर्ट मांगता है। सीओई यह रिपोर्ट सिलेक्शन कमिटी के प्रेसिडेंट को भेजता है। इसकी कॉपी दोनों टीमों के हेड कोच और बीसीसीआई को भी दी जाती है। लक्ष्मण ने कहा- 'बुमराह और सुदर्शन के नाम के आगे हमेशा एक स्टार चिन्ह लगा होता है। इसका मतलब है- फिट रहने पर खेलेंगे। अगर खिलाड़ी की प्रोग्रेस धीमी होती है, तो सिलेक्शन कमिटी प्रेसिडेंट और हेड कोच को इन्फोर्मेशन दी जाती है। लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है-लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100फीसदी से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। सीओई के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं। सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है-बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता,तीसरे राउंड में 7.84 मीटर छलांग लगाई, यू20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने रविवार को अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया। 18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन। फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया। इटली के इंजोली ने जीता स्वर्ण-इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल,चोटिल साई सुदर्शन की जगह मिला मौका, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

स्पोर्ट डेस्क। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है।

उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। बीसीसीआई ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं। सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया- बीसीसीआई ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी। प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया-श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं। नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे।

हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए। श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम- शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

इंग्लैंड डोमेस्टिक वनडे-टोबी ने 6 बॉल पर 6 छक्के लगाए,37 गेंद में 86 रन बनाए, हैम्पशायर ने ससेक्स को 51 रन से हराया

होव। इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86

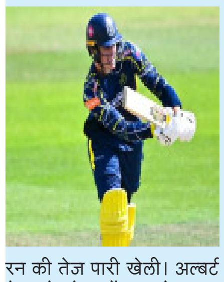

रन की तेज पारी खेली। अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया। अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। पारी में 8 छक्के लगाए- अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी।ससेक्स के नैंटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए। अल्बर्ट ने 37 गेंदों पर 86 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा। अल्बर्ट को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। 225 रन की ओपनिंग साझेदारी- हैम्पशायर की शुरुआत शानदार रही। एक समय टीम का स्कोर 225 रन बिना किसी नुकसान के था। ओपनर अली ऑर और 18 साल के बेन मेयस दोनों ने शतक लगाए। ऑर ने 105 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं मेयस ने 109 रन की पारी खेली। यह उनका लिस्ट-ए क्रिकेट में पहला शतक था। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी सिर्फ 92 गेंदों में पूरी हुई थी। हैम्पशायर ने लिस्ट-ए क्रिकेट में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया- हैम्पशायर ने 189 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिए थे। अल्बर्ट के बाद एडी जैक ने 5 गेंदों पर 20 रन बनाए। उन्होंने भी एक छक्का लगाया। हैम्पशायर ने 50 ओवर में 383/9 का स्कोर खड़ा कर दिया। यह हैम्पशायर का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सबसे बड़ा स्कोर 396/5 है। यह 2022 में केंट के खिलाफ बनाया गया था। ससेक्स 51 रन से हारा-ससेक्स की शुरुआत खराब रही। टॉम हेन्स और ओली कार्टर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद चार्ली टियर ने पारी संभाली। उन्होंने 94 गेंदों पर 111 रन बनाए। टियर ने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। 20 ओवर के बाद ससेक्स का स्कोर 146/2 था। टियर के आउट होने के बाद जैक लीनिंग ने 92 रन बनाए। डैन इब्राहिम ने 55 रन की पारी खेली। दोनों ने ससेक्स की पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन जरूरी रन रेट लगातार बढ़ता गया। इसके बाद ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। ससेक्स की 7 मैचों में छठी हार-इस हार के साथ ससेक्स के लिए टूर्नामेंट में मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम ने अब तक 7 मैच खेले हैं। इनमें उसे सिर्फ एक जीत मिली है। यह उसकी छठी हार रही। दूसरी ओर हैम्पशायर की यह टूर्नामेंट में चौथी जीत है। इस जीत के साथ उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में चमकना है तो अपने काम में 'स्टाइल' लाइए

इन दिनों मैं देखता हूं कि कॉलेज से पास-आउट युवा सूट और टाई के आकर्षण में आकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आने की कोशिश करते हैं। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आता है कि यहां ऐसा कोई काम नहीं है, जिसे वे किसी दूसरे से करने के लिए कह सकें, लेकिन खुद न करना चाहें। अचानक-से वे खुद को टेबल से पानी और वाइन के गिलास उठाते और उसे साफ करते हुए पाते हैं। उस समय उनकी आंखें टेबल के बजाय इधर-उधर देखती ज्यादा नजर आती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे नहीं चाहते कि कोई परिचित या परिजन उन्हें यह काम करते हुए देखे। इसमें हैरानी नहीं कि युवाओं में हॉस्पिटैलिटी को कामचलाऊ पेशा माना जाता है, लेकिन यह उनको कई ऐसी महत्वपूर्ण स्किल्स देता है, जो दूसरी इंडस्ट्री शायद ही देती है। आप पूछ सकते हैं कि आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए बिना हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कैसे टिके रहें। मेरा सीधा-सा जवाब है- 'स्टाइल कोशंट' जोड़िए। जापानी मिल्क-बन का उदाहरण लीजिए, जो मीठे, मुलायम और फोटोजेनिक होते हैं। ये जापान ही नहीं, पूरे यूरोप और अमेरिका में भी बेहद सफल हैं। ये बन ऊपर से सुनहरे भूरे और अंदर से बादल की तरह मुलायम होते हैं। ऊपरी तौर पर देखें तो ये मुंबई में किसी चौपाटी के स्टॉल पर पावभाजी के साथ परोसे जाने वाले पाव जैसे दिखेंगे। लेकिन किसी शेफ की फोटोजेनिक नजरों से वही बन उसके बर्गर को कल्ट-बर्गर बना सकते हैं और उसकी कीमत 300फीसदी बढ़ा सकते हैं। मुझे हाई-एंड केक बनाने के आर्ट के बारे में तब पता चला, जब एक मशहूर बेकर ने अभिनेत्री काजोल के लिए बनाए जाने वाले केक पर लिखा जाने वाला हनी ईरानी का मैसेज गलती से मेरे दोस्त को भेज दिया। काजोल ने 5 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया और हनी ईरानी भारतीय सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस और पुरस्कार विजेता स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने यश चोपड़ा की मशहूर फिल्म 'लम्हे' (1991) के लिए अपनी डेब्यू स्क्रिप्ट लिखी थी और बेस्ट स्टोरी का फिल्मफेयर जीता था। मैंने अपने दोस्त से वही केक मुझे भेजने के लिए कहा और यकीन मानिए वह हर तरीके से बिल्कुल अलग था। जो रेस्तरां खाने को लग्जरी अनुभव में बदल पाते हैं, वे दुनिया में सबसे ज्यादा कमाते हैं। अमेरिका का उदाहरण लें। वहां अगर आप किसी हाई-एंड रेस्तरां में टेबल बुक करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको शाम 5 बजे का, या फिर रात 10:30 बजे का ही स्लॉट मिलेगा। 1.5 ट्रिलियन डॉलर की यह इंडस्ट्री पूरे हफ्ते ओवर-क्राउडेड रहती है। और यहां मैं सिर्फ उन लोगों की बात कर रहा हूं, जो बाहर जाकर खाने पर खूब खर्च करते हैं। इन लोगों की इस परेशानी ने नए ऐप्स, मेंबरशिप क्लब्स और बिचौलियों को जन्म दिया है, जो खाने पर अत्यधिक खर्च करने वालों और उनके पसंदीदा रेस्तरां तक पहुंच बनाने के लिए मुकाबला कर रहे हैं। हॉस्पिटैलिटी में स्टाइल महज यह नहीं कि आप क्या पहनते हैं या खाने को कैसे सजाते हैं। यह आपकी भाषा, बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार में भी समान रूप से नजर आता है। कोई युवा प्रोफेशनल अगर कैजुअल 'ओके' कहने के बजाय कहता है कि 'बिल्कुल सर, मैं इसका ध्यान रखूंगा,' तो वह अलग इम्प्रेशन छोड़ता है। टेबल के पास खड़े होने, ट्रे उठाने, कुर्सी खींचने, बिना बीच में टोके बात सुनने, बिना घूरे नजरें मिलाने और गेस्ट की ओर पीठ किए बगैर वहां से हटने के आपके तौर-तरीके साधारण सर्विस को भी शानदार बना सकते हैं। आप गिलास भी उठा रहे हैं तो उम्मीद की जाती है कि यह आप उसी गरिमा से करेंगे, जैसे आप फाइव-स्टार भोजन परोसते हैं। सिर्फ सॉफ्टली बोलना ही नहीं, बल्कि काम में अपोलोजेटिक दिखे बिना आत्मसम्मान के साथ चलना भी हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल की पहचान है। गेस्ट को लगना चाहिए कि आप महज खाना नहीं परोस रहे, बल्कि एक अनुभव दे रहे हैं। यही असली स्टाइल कोशंट है। फंडा यह है कि हॉस्पिटैलिटी कोई लो-स्टेटस जॉब नहीं, जिसे आप 'बेहतर' नौकरी मिलने तक कामचलाऊ तौर पर करें। यह ऐसी इंडस्ट्री है, जहां साधारण-से काम को भी असाधारण बारीकी से किया जाए तो वह मूल्यवान बन जाता है। एन. रघुरामन

कहानी शहर 'जौनपुर' की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 'जौनपुर' शहर अपने आप में एक अनोखा शहर है, अयोध्या और वाराणसी के बीच बसा यह शहर जिसे सन् 1359 में दिल्ली के तत्कालीन सुल्तान फिरोज शाह तुगलक ने बसाया था। उसने

अपने चचेरे भाई मोहम्मद बिन तुगलक जिसे जौना खां नाम से भी जाना जाता था के नाम पर इस शहर का नाम 'जौनपुर' रखा था। इस शहर ने अपने अंदर कई संस्कृतियों का संगम होते देखा है, इसने अपना स्वर्णकाल इब्राहिम शाह शर्की व हुसैन शाह शर्की के शासनकाल में देखा। जब इस शहर की सीमाओं के विस्तार के साथ उसमें शिक्षा व कला को भरपूर बढ़ावा मिला और धर्मों व संस्कृतियों का ऐसा संगम हुआ कि जिसने जौनपुर को शिराज-ए -हिंद यानी हिंदुस्तान का चिराग बना दिया। सन 1479 में बहलोल लोदी ने हुसैन शाह शर्की को हराकर इस शहर को दिल्ली में मिला लिया। 1486 में उसने अपने बड़े बेटे बर्बक शाह को जौनपुर का प्रशासक नियुक्त कर दिया लेकिन यह नियुक्ति बर्बक को फली नहीं। बहलोल की मौत के बाद उसका दूसरा बेटा गद्दी पर बैठा तो बर्बक ने विद्रोह कर दिया जो विफल रहा नतीजा यह हुआ कि सिकंदर लोदी ने बर्बक द्वारा प्रशासित सभी क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण कर उसे दिल्ली का हिस्सा बना लिया। सन् 1559 से मुगल बादशाह अकबर ने डेढ़ सौ साल तक इस शहर पर शासन किया। बीते हुए सालों में इस शहर से बहुत कुछ छीन गया था, शहर ने बहुत कुछ झेला और हिंदुस्तान का चिराग जैसी पहचान खोकर अब सिर्फ 'जौनपुर' रह गया था। सन् 1722 में इस शहर को मुगलों ने अवध नवाब को सौंप दिया तो कहते हैं कि दो गंगाजमुनी तहजीबों का मिलन हुआ। दूसरे शब्दों में कहे तो शहर ने हिंदू-मुस्लिम सद्भाव के साथ ज्ञान व कलाओं के संरक्षण में जी-जान लगाकर ऐसी सुगंध भारी जो सदियों तक जाने वाली नहीं है। 'राग जौनपुरी' नाम से जौनपुर के इतिहास संस्कृति और साहित्य का बड़ा नाता है। उत्तर प्रदेश का यह शहर जौनपुर अपने अंदर ऐसे कई इतिहासों को समेटे हुए है जिसे हम कभी जान सके तो शहर का गौरव और बढ़ सकेगा।

आज के बिशु और सूरज कल के वेलुसामी बन सकते हैं

'गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स, आप सभी की तरह हर एडमिशन सीजन में हजारों स्टूडेंट्स अपने साथ किसी बैकपैक से कहीं अधिक बड़ी चीज लेकर विश्वविद्यालयों में प्रवेश करते हैं। कुछ अपने उन पैरेंट्स के सपने लाते हैं, जो कभी क्लास में गए ही नहीं। कुछ ऐसे परिवारों की उम्मीदें लाते हैं, जिनमें कभी किसी ने ग्रेजुएशन गाउन नहीं पहना। और कई ऐसी जिम्मेदारी के साथ आते हैं, जिसे उन्होंने कभी चुना ही नहीं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो मेरी बात याद रखिएगा। आप महज एक डिग्री शुरू नहीं कर रहे हैं। आप परिवार के इतिहास का एक नया चैप्टर शुरू कर रहे हैं।' इंदौर में गुरुवार सुबह मैंने अपना लेक्चर ऐसे ही शुरू किया। जब मैंने उनसे पूछा कि आपमें से कितने ऐसे हैं, जो परिवार में पहली बार यूजी कोर्स में दाखिला ले रहे हैं तो कई ने हाथ उठा दिए। तब मैंने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनाई, जिनका जन्म तमिलनाडु के नमक्कल जिले के एक छोटे किसान परिवार में हुआ था। इस परिवार के लिए जिंदगी जीना महत्वाकांक्षाओं से कहीं ज्यादा मायने रखता था। उनके पिता पहली कक्षा के बाद ड्रॉप-आउट हो गए थे। मां कभी स्कूल नहीं गईं। उन्हें नोट गिनने में भी मुश्किल होती थी। घर में किताबें दुर्लभ थीं। बिजली नहीं थी। कोई मार्गदर्शक नहीं था। परिवार में कोई भी ऐसा नहीं था, जो एल्जेब्रा, फिजिक्स या करियर चॉइस के बारे में समझा सके, क्योंकि पहले उस राह पर कोई चला ही नहीं। वे बिना किसी कोचिंग और परिवार की सहायता के सरकारी स्कूल में पढ़े थे। जब वे मद्रास (अब चेन्नई) में एंट्रेंस एग्जाम देने गए तो शिक्षकों ने उनसे कहा कि सिर्फ परीक्षा पर ध्यान देना, दूसरों के कपड़ों पर नहीं। उन्होंने वैसा ही किया और लौट आए। कुछ हफ्तों बाद एक रात जब केरोसिन लैंप बुझ गए तो उनकी मां ने कहा कि तुम्हारे लिए एक चिट्ठी आई थी, जिसे छत के नीचे बांस में खोंसकर रखा है। उन्होंने पत्र खोला तो वह मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एडमिशन लेटर था। वर्षों बाद वही फर्स्ट-जनरेशन ग्रेजुएट आर. वेलुसामी ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट बने। आज वेलुसामी उन हजारों कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं, जो पूरे भारत में पसंद की जाने वाली गाड़ियां बनाते हैं। इनमें स्कॉर्पियो, एक्सयूवी-300, एक्सयूवी-700 और थार-रॉक्स शामिल हैं। अब 2026 में चलते हैं। असम के तिनसुकिया जिले में बिशु लिम्बू ने केरोसिन लैंप की मद्धिम रोशनी तले नीट की तैयारी की थी, क्योंकि उनके घर में न भरोसेमंद बिजली थी, न इंटरनेट। उनके पिता छोटे किसान हैं। उनकी मां एक-एक पैसा संभालकर खर्च करती थीं। लेकिन बिशु ने यह मानने से इनकार किया कि डॉक्टर का सफेद कोट सिर्फ अमीर परिवारों के बच्चों के लिए होता है। उन्होंने नीट-2026 में 720 में से 610 अंक हासिल किए और अब मेडिकल कॉलेज में दाखिले की तैयारी कर रहे हैं। अब राजस्थान के बूंदी जिले के कापरेन गांव में सूरज सैनी से मिलने चलते हैं। वे 12वीं तक हिंदी मीडियम स्टूडेंट रहे। छुट्टियों में परिवार की मदद के लिए वे गांव के घरों में पुताई करते थे। 12वीं तक वे नीट के बारे में जानते तक नहीं थे, क्योंकि परिवार में पहले कोई उस रास्ते पर नहीं चला था। पहले अटेम्प्ट ने उन्हें सिखाया कि सही दिशा के बिना प्रयास काफी नहीं होता। उन्हें सही गाइडेंस मिला, अथक मेहनत की और 583 अंक हासिल कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल कर ली। वर्षों की पढ़ाई, अनुशासन और लगातार मेहनत से कल आप भी दूसरे वेलुसामी बन सकते हैं- जो प्रोडक्ट्स बनाए, कंपनियों का नेतृत्व करे, रोजगार पैदा करे और हजारों की प्रेरणा बने। हर सफल परिवार में कोई ऐसा जरूर होता है, जिसने पहला ग्रेजुएट बनने का साहस किया था। अगर इस साल आप परिवार के पहले ग्रेजुएट बनने के लिए कॉलेज में प्रवेश ले रहे हैं, तो आपको लग सकता है कि आपका सबसे बड़ा लक्ष्य डिग्री हासिल करना है। लेकिन ऐसा नहीं है। आपका असली लक्ष्य ऐसा इंसान बनना है, जिसकी ओर देखकर आपके छोटे भाई-बहन कहें कि 'अगर वह ऐसा कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूं।' फंडा यह है कि आपके एडमिशन लेटर पर सिर्फ आपका नाम होता है, लेकिन उससे बनने वाला भविष्य पूरे परिवार का होता है। आप सिर्फ एक स्टूडेंट नहीं हैं, बल्कि ऐसे एक्सप्लोरर हैं- जो बिना नक्शे के किसी जंगल से अपना रास्ता बना रहे हैं। एन. रघुरामन

हमें दुनिया को अपनी सभ्यता की बेहतर कहानी सुनानी होगी

मुझे दुनिया की विभिन्न सभ्यताओं से जुड़े महानतम संग्रहालयों को देखने का मौका मिला है। हाल ही में जब मैंने गीजा के पिरामिड, एथेंस के एक्रोपोलिस और भूमध्यसागर के किनारे पर बने बिब्लियोथेका अलेक्जेंड्रिना (पुस्तकालय) को देखा तो वहां के ऐतिहासिक महत्व को देखकर अभिभूत रह गया। गीजा के ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में विश्वस्तरीय संरक्षण, सुचिंतित डिजाइन और जीवंत कहानियों के जरिए मिस्र की पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से जुड़े एक लाख से अधिक पुरावशेष संग्रहित हैं। इनमें तूतनखामुन के मकबरे का खजाना भी है। एक्रोपोलिस में कांच के फर्श के नीचे प्राचीन बसावट को देखा जा सकता है, जो खुदाई में मिली थी। बिब्लियोथेका में ज्ञान को संरक्षित रखने के लिए किया गया निवेश स्पष्ट नजर आता है। भारत की सभ्यतागत विरासत भी इतनी ही समृद्ध है। हमारे पास सिंधु घाटी के सुनियोजित शहरों से लेकर स्मारकों, पांडुलिपियों, मंदिरों, किलों और पुरावशेषों तक दुनिया की बेहद समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरें हैं। लेकिन जब भी मेरी डेस्क पर पर्यटन या शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट की कोई फाइल आती तो वह एक ही समस्या में जाकर उलझ जाती थी।हमारे पास कहानियां तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें कहने वाले पर्याप्त संस्थान नहीं हैं। हमारे सबसे अच्छे पुरावशेष संग्रहालयों में ही कैद हैं। मसलन, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम में कला, पुरातत्व और प्राकृतिक इतिहास से जुड़ी 25 लाख वस्तुएं हैं, नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में दो लाख से अधिक पुरावशेषों का संग्रह है, लेकिन इनका एक छोटा-सा हिस्सा ही प्रदर्शित किया जाता है। इसमें भी समसामयिक डिजाइन, लाइटिंग और इंटरप्रिटेटिव मीडिया का सीमित ही उपयोग है। दरअसल, हमने उतनी महत्वाकांक्षा के साथ कभी हमारे इन संस्थानों में निवेश किया ही नहीं, जो हमारी महान विरासत को सहेजने, उनकी व्याख्या करने और इसे देश-दुनिया को बताने का काम करते हैं। हमारे म्यूजियम, आर्काइव्स और साइट इंटरप्रिटेशन सेंटर अपार संभावनाओं से भरे हैं, लेकिन उन्हें गंभीर संरक्षण, बेहतर क्यूरेशन, मजबूत डिजाइन और ज्यादा कल्पनाशीलता की जरूरत है। तभी वे उस सभ्यता के अनुरूप बन पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। नॉर्थ-साउथ ब्लॉक को राष्ट्रीय संग्रहालय में बदलने की योजना इस बात का प्रतीक है कि संस्कृति राष्ट्र की मूल पहचान से जुड़ा मसला है। इसे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक बनाने की योजना है। इसमें इमर्सिव डिजाइन और डिजिटल माध्यमों से हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता की यात्रा बताई जाएगी। उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में कंटेंट टीमें आठ थीम आधारित क्षेत्रों में लगभग 30 दीर्घाएं विकसित करेंगी। केंद्रीय संग्रहालयों, एएसआई की साइटों और राज्यों के संग्रहालयों से 80 हजार से एक लाख तक पुरावशेष यहां लाए जाएंगे। इन्हें प्राचीन इतिहास और ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक भारत तक की यात्रा के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। अब तक सत्ता के केंद्र कहे जाने वाले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की पहचान अब महज दफ्तरों और औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि ऐसे स्थान के तौर पर होगी, जहां राष्ट्र को सुव्यस्थित स्मृतियों के जरिए देखा जा सकता है। यहां सिंधु घाटी के शहर, ज्ञान-परंपराएं, कोणार्क के सूर्य-रथ, चोलकालीन कांस्य प्रतिमाएं और संविधान से जुड़े दस्तावेज तक प्रदर्शित किए जाएंगे। स्पष्ट मानक तय किए जाएं तो रायसीना हिल की प्रत्येक गैलरी दुनिया के प्रमुख संग्रहालयों की बराबरी कर सकती है। यदि हम वाराणसी, हम्पी या जयपुर जैसे शहरों में भी ऐसे संग्रहालय विकसित करें, जो संरक्षण, डिजाइन और सेवाओं के मामले में विश्वस्तरीय मानकों पर खरे हों तो भारत खुद को वैश्विक पर्यटन सर्किट में स्थापित कर सकता है। पर्यटक आज आर्ट हॉलिडे, प्राइवेट म्यूजियम टूर और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रमों पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं, अमिताभ कांत)

सोशल बफर्स के तौर पर बॉट्स का इस्तेमाल 'सेल्फ मिसट्रस्ट' की महामारी

अजय रिसर्चर के तौर पर अपने काम में एआई का इस्तेमाल करता है। लेकिन लैब से बाहर भी एआई टूल उसका कन्वर्सेशन-कोच बन गया है। वह ईवनिंग पार्टियों में बातचीत की शुरुआती 'अजीब है कि तुम्हारे प्यार के शब्द भी अपने नहीं, एआई जनरेटेड हैं।' स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एशली गोल्डन कहती हैं कि 'यह

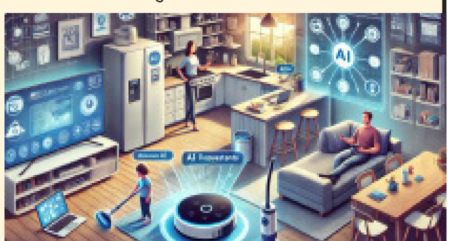

लाइनें और मेहमानों व दोस्तों को विश करने के आइडिया लिखने में भी उसकी मदद लेता है। जब वह पूछता है कि यदि कोई ऐसा मुश्किल सवाल पूछ ले कि 'शादी कब कर रहे हो?' तब भी सामने वाले को जवाब देने में एआई उसकी मदद करता है। मान लीजिए बातचीत किसी ऐसी किताब या आर्टिकल पर पहुंच गई, जिसके बारे में अजय को जानकारी नहीं है तो वह तुरंत एआई से समरी मांग लेता है। जब तक एआई समरी बनाता है, उन पलों में अजय एक लाइन कहता रहता है कि 'मैं कभी-कभी पढ़ता हूं।' ऐसा नहीं कि अजय खुद नहीं सोच सकता, लेकिन एआई चीजों को थोड़ा आसान बना देता है। 20 वर्षीय अजय युवाओं की तेजी से बढ़ती उस जमात का हिस्सा है, जो बेहद इंसानी कामों को भी एआई से करवा रहे हैं। छोटी-बड़ी सोशल एंग्जायटी से जूझ रहे कई युवा अजय की तरह ही आमने-सामने की मुलाकात से पहले एआई की मदद लेते हैं। सामान्य व्हाट्सएप चैट में भी अब बॉट-जनरेटेड मैसेज दिखने लगे हैं, लेकिन इस उम्र के रोमांटिक पार्टनर्स के बीच इनकी संख्या काफी है। अचानक उनके टेक्स्ट सटीक ग्रामर वाले हो जाते हैं। जबकि सामने वाला जानता है कि यह वही व्यक्ति है, जो साधारण लाइनें भी पांच गलतियों के बगैर नहीं लिख पाता था। कई रिश्ते तो मजबूत बनने से पहले ही टूटने लगे हैं। एक पार्टनर चाहता है कि बातचीत थोड़ा विस्तार लिए हो, क्योंकि अपनापन उसी इनफॉर्मेलिटी से आता है। यह परफेक्शन इसलिए आती है, क्योंकि चैटबॉट्स इंसानी भाषा के पैटर्न को जोड़कर वाक्य बनाते हैं। मैं एक ऐसी लड़की को जानता हूं, जिसने अपनी रिलेशनशिप इसलिए खत्म कर दी, क्योंकि उसे लगा कि जिस लड़के को वह डेट कर रही थी, वह इतना आलसी और अनरोमांटिक है कि उसने उनकी बातचीत को भी एआई को सौंप दिया। ब्लॉक करने से पहले उसने अपने आखिरी मैसेज में कहा कि दोनों पक्षों के लिए नुकसानदायक है। चैटबॉट्स का उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना था, रिलेशनशिप बनाना नहीं।' अगर आप ऐसे युवा हैं, जो अपना हर टेक्स्ट एआई से जंचवा रहे हैं तो आप खुद को यही सिखा रहे हैं कि आपकी अपनी समझ भरोसे लायक नहीं। यह बात खासतौर पर उन लोगों पर ज्यादा लागू होती है, जिन्हें सोशल एंग्जायटी रहती है। गोल्डन मानती हैं कि एआई लोगों को सोशल मिसस्टेप्स की पीड़ा से बचा सकता है, लेकिन यह राहत अस्थायी होती है। धीरे-धीरे यही टूल बैसाखी बन जाता है और लोग खुद के फैसलों पर ही कम भरोसा करने लगते हैं।आज कई एग्जीक्यूटिव्स जब मैनेजमेंट के नोटिस का गुस्से भरा रिप्लाई लिखते हैं तो उसे एआई से सुधारने की कोशिश करते हैं। पहले मन के भाव लिखना और फिर उन्हें एआई के जरिए भाषा में ढालना रिसीवर को थोड़ा उलझन में डाल देता है। भाषा भले बेहतर हो जाती हो, लेकिन पत्र में भावनाएं कोई स्पष्ट रुख नहीं दर्शातीं। कई बार दोस्तों से आमने-सामने की बातचीत के लिए एआई का सहारा लेना युवाओं पर उल्टा भी पड़ चुका है और बाद में गोल्डन ने उनकी काउंसलिंग की। एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी मुश्किल बातचीत की तैयारी के लिए एआई का इस्तेमाल सही है, लेकिन पूरी बातचीत उसी के भरोसे नहीं होनी चाहिए। एआई यह बता सकता है कि क्या कहना है, लेकिन कैसे कहना है यह हर व्यक्ति को खुद सीखना होगा। विशेषज्ञों का सुझाव है कि बड़े इवेंट्स या क्लाइंट्स के जवाब तैयार करने तक तो एआई का इस्तेमाल ठीक है, लेकिन इमोशनल बातचीत की स्क्रिप्ट लिखवाना बैकफायर कर सकता है। क्योंकि वह आपके कैरेक्टर से मेल नहीं खाता। फंडा यह है कि अगर आप अपनी जिंदगी की हर चीज एआई से पॉलिश कराएंगे तो धीरे-धीरे अपनी ही आवाज पर भरोसा खो सकते हैं। एन. रघुरामन

जरूरत से ज्यादा जांचें और दवाइयां भी अपने आप में एक बीमारी हैं

हाल ही में दो खबरें सामने आईं। पहली यह थी कि भारत के लगभग दस में से नौ वयस्कों

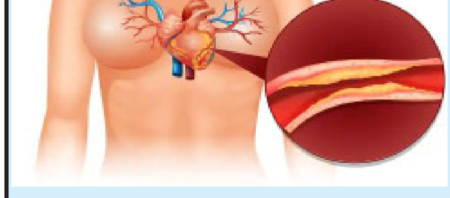

में कोलेस्ट्रॉल या अन्य लिपिड का स्तर सामान्य सीमा से ऊपर या नीचे है। दूसरी खबर अमेरिका से आई, जहां ऐसी नई दवाई को मंजूरी मिली है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 60फीसदी तक घटा सकती है। यह महज संयोग हो सकता है, लेकिन यह एक असुविधाजनक प्रश्न भी उठाता है : क्या किसी बीमारी का बोझ हमें तभी याद दिलाया जाता है, जब उसके इलाज के लिए नया बाजार तैयार होता है? मोटापा घटाने वाली दवाओं का हालिया अनुभव इसका स्पष्ट उदाहरण है। मोटापा वर्षों से बढ़ रहा था। लेकिन नई दवाओं के आते ही मोटापा चिकित्सा और मीडिया की सबसे चर्चित समस्याओं में शामिल हो गया। इससे जागरूकता तो बढ़ी, पर वजन को दवा से ठीक होने वाली बीमारी बना दिया गया। शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, प्रोसेस्ड फूड जैसे मूल कारण पीछे छूट गए। भारत में हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और फैटी लिवर बढ़ रहे हैं। हमारी जीवनशैली में बैठना बढ़ा है, चलना घटा है और भोजन में चीनी, मैदा तथा प्रोसेस्ड फूड बढ़े हैं। पिछले कुछ सालों में लिपिड और कोलेस्ट्रॉल उपचार के लक्ष्य लगातार नीचे आए हैं। अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 55 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। इससे पहले यह सीमा 70 थी। नई दवा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 56 से 59फीसदी तक घटा सकती है। लेकिन हर मरीज को इसकी जरूरत नहीं है। यह उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें पहले हृदयाघात हो चुका है, जिनका हृदय जोखिम अधिक है या जिन्हें आनुवंशिक रूप से अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल रहता है। इसी समय आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन के परिणाम भी आए। यह अध्ययन भारत के 23,665 वयस्कों पर आधारित था और इसमें पाया गया कि 87.3फीसदी लोगों में लिपिड से जुड़ी कम से कम एक असामान्यता थी। यहां यह समझना जरूरी है कि इसका अर्थ यह नहीं कि लगभग 90फीसदी भारतीयों का खराब कोलेस्ट्रॉल खतरनाक स्तर पर है या उन्हें दवा शुरू कर देनी चाहिए। इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जिनका एचडीएल लेवल कम है। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है लेकिन इसको बढ़ाने की दवा नहीं आती है। यह सिर्फ अच्छी और स्वस्थ दिनचर्या से ही बढ़ सकता है। समस्या तब शुरू होती है, जब उपचार से हासिल किए जाने वाले लक्ष्य पूरी आबादी के लिए सामान्य मान लिए जाते हैं। जैसे ही इलाज का लक्ष्य बदला जाता है, लाखों लोग अचानक उस श्रेणी में आ जाते हैं, जिन्हें दवा दिए जाने योग्य माना जाता है। जबकि उनके शरीर में रातोंरात कोई नया नुकसान नहीं हुआ होता। इसे मेडिकलाइजेशन कहते हैं। इसका मतलब है कि किसी जोखिम, शारीरिक भिन्नता या जीवनशैली की समस्या को ऐसी बीमारी में बदल दिया जाए, जिसके लिए लगातार जांच और दवा जरूरी मानी जाने लगे। इसका अर्थ यह नहीं कि कोलेस्ट्रॉल की दवाएं बेकार हैं। असली प्रश्न यह है कि दवा किसे और कितने समय तक चाहिए। एक ओर करोड़ों लोगों को जरूरी उपचार नहीं मिलता, वहीं सम्पन्न वर्ग में जरूरत से अधिक जांच और दवाएं बढ़ रही हैं। थोड़े बढ़े एलडीएल वाला स्वस्थ युवा और हृदयाघात झेल चुका व्यक्ति एक जैसे मरीज नहीं हो सकते। जीवनशैली से पैदा बीमारियों का समाधान गोलियों से नहीं होगा। हमें बेहतर भोजन, सक्रिय जीवन और मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य-सेवाएं चाहिए। समझदार मरीज दवा से इनकार नहीं करता; वह दवा की जरूरत, लाभ और अवधि पर प्रश्न पूछता है और सोच-समझकर निर्णय लेता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

नागरिकों की जान बराबर तो फिर मुआवजों में अंतर क्यों?

अब जब धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर भी रद्द की गई हैं तो कॉकरोच जनता

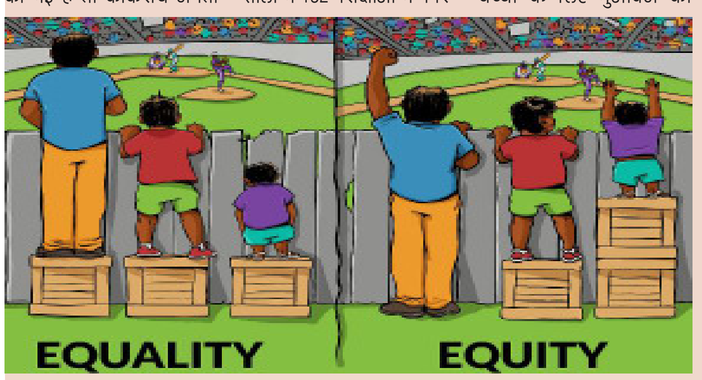

पार्टी द्वारा पेपर-लीक से आत्महत्या करने वाले 21 छात्रों को एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग अटक सकती है। रेप विक्टिम, एसिड अटैक, सीवर लाइन में मौत, साइबर फ्रॉड जैसे मामलों में मुआवजे के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले हैं। दुर्घटना में घायल होने वालों और मृतकों के मुआवजे के लिए कानून हैं। वीडियो मैसेज में प्रधानमंत्री ने युवाओं के आक्रोश को स्वीकारा है। अन्याय और कुशासन के खिलाफ जेन-जी के आंदोलन को गवर्नेंस में बेहतरी और सरकारी जवाबदेही से नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान में नागरिकों को समान अधिकार हैं और एक देश एक कानून के नारे पर जोर है। ऐसे में तंत्र की विफलता और अन्याय से पीड़ित लोगों को समान मुआवजा देने की अपेक्षा से जुड़े 4 पहलुओं को समझें:- 1. राहुल गांधी ने पिछले 10 सालों में 152 परीक्षाओं में पेपर-लीक का आरोप लगाया है। इसका सामना करने के बजाय भाजपा नेता विपक्ष-शासित राज्यों में परीक्षा माफिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2014 से 2024 के दौरान लगभग 1.23 लाख छात्रों ने अलग-अलग कारणों से आत्महत्या की थी। ऐसे में क्या सभी मामलों में एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाएगा? 2. सांड के हमले से मृत एक व्यक्ति के परिवार को हाईकोर्ट जज ने 29.32 लाख मुआवजा दिलवाने का आदेश दिया था, जिसे डिवीजन बेंच ने रद्द कर दिया। दुर्घटना के 20 साल बाद, सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस करोल की पीठ ने मानवीय आधार पर 15 लाख रुपए मुआवजा देने का फैसला दिया। दूसरे मामले में जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सड़क दुर्घटना में घायल 6 महीने की बच्ची के लिए मुआवजे को 45.40 लाख से बढ़ाकर 83.38 लाख कर दिया। उनके अनुसार मानवीय गरिमा और जीवन के अधिकार के प्रति जजों को संवेदनशील रहना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार महानगरों में 58 फीसदी से ज्यादा सड़क हादसे आवारा कुत्तों और मवेशियों की वजह से हो रहे हैं। तब तो मवेशियों की वजह से घायल, मरने वालों और फसल नुकसान के सभी मामलों में भी पीड़ितों और किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए। 3. सरकारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से लगभग 4.5 करोड़ लोग बीमार हुए और 5.33 लाख मौतें हुईं। 2015 के कानून में बाढ़, सूखा और भूकम्प जैसी आपदा में मरने वालों के परिजनों के लिए 4 लाख के मुआवजे का प्रावधान किया गया था। कोरोना संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन कानून लागू हुआ था, लेकिन उसके अनुसार मुआवजा नहीं मिला। 2020-21 के लॉकडाउन की वजह से 989 मृतकों को भी मुआवजा नहीं मिला। खबरों के अनुसार नोटबंदी के दौरान 105 लोग मरे थे, पर उन्हें भी मुआवजा नहीं मिला। पानी-हवा के प्रदूषण से मरने वालों को मुआवजे के लिए व्यावहारिक कानून नहीं हैं। 4. पुलिस लॉकअप में आधे घंटे की अवैध हिरासत के मामले में 2023 में दिल्ली हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए मुआवजे का आदेश दिया था। सजा खत्म होने के बावजूद जेल में रखने के मामले में 2022 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 3 लाख रुपए मुआवजे का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार की योजना के अनुसार जेल में अप्राकृतिक मौत (फांसी लगाकर या उत्पीड़न से) पर 7.5 लाख का मुआवजा मिलेगा। जेलों में बंद दो तिहाई कैदी वंचित वर्ग से हैं। ऐसे लाखों लोगों को मुकदमे में रिहाई के बावजूद गैर-कानूनी गिरफ्तारी के लिए मुआवजा नहीं मिलता। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पूरे देश में लागू करवाने की खासी जरूरत है। कोरोना संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन कानून लागू हुआ था, लेकिन उसके अनुसार मुआवजा नहीं दिया गया है। 2020-21 के कोविड लॉकडाउन की वजह से 989 मृतकों को भी मुआवजा नहीं मिला है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

पीओके में तीसरे चरण की वोटिंग टली,लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच फैसला, शहबाज की पार्टी पीएमएल-एन ने अब तक 24 सीटें जीता

इस्लामाबाद।जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी फौज ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध

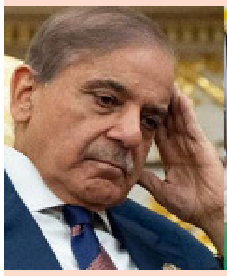

गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं। भारत ने पीओके में हो रहे चुनावों को मानने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान इन चुनावों के जरिए पीओके पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। 12 रिजर्व सीटें रद्द करने की मांग पर आंदोलन-आंदोलनों के सफल होने से जेएएसी का जनाधार बढ़ा। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर पीओके को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग पीओके विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं। जेएएसी का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें पीओके की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। जेएएसी के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है। पीओके की मुख्य पार्टियांः- पीपीपी : बिलावल भुट्टो की पार्टीः विधानसभा में सबसे बड़ा दल। मौजूदा पीएम फैसल मुमताज राठौर इसी पार्टी से हैं। पीएमएल-एनः नवाज शरीफ की पार्टीः यह पार्टी पाकिस्तान की सत्ता में है और पीओके में भी मजबूत पकड़ रखती हैं।पीटीआईःइमरान खान की पार्टीः पीटीआई पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन इससे जुड़े प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। भारत ने चुनाव को दिखावटी बताया- भारत लंबे समय से पीओके में होने वाले चुनावों को खारिज करता रहा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान को उस इलाके में कोई राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पीओके चुनाव को पाकिस्तान के अवैध कब्जे को सही दिखाने की कोशिश बताते हुए इसे दिखावटी एक्सरसाइज कहा है। भारत ने यह भी आरोप लगाया है कि पाकिस्तान चुनावों के जरिए अपने कब्जे को छिपाने और इलाके में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। नवाज शरीफ पीओके के पीएम बनना चाहते हैं-पीएमएल-एन के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 22 जुलाई को कहा था कि अगर उनकी पार्टी पीओके में जीतती है, तो वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें पीओके का प्रधानमंत्री बनाने के लिए कहेंगे। लेकिन पीओके के मौजूदा संविधान के मुताबिक, प्रधानमंत्री विधानसभा के मुस्लिम सदस्यों में से ही चुना जाता है। विधानसभा सदस्य बनने के लिए व्यक्ति का पीओके का स्थायी निवासी होना, और चुनावी सूची में नाम होना जरूरी है। नवाज शरीफ इस चुनाव में पीओके विधानसभा की किसी सीट से उम्मीदवार नहीं हैं। ऐसे में सिर्फ पीएमएल-एन का अध्यक्ष होने या शहबाज शरीफ की मंजूरी मिलने से नवाज सीधे पीओके के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।

26/11 हमले से जुड़े लश्कर आतंकी अब्दुल-अजीज की मौत,रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद इस्लामाबाद में मस्जिद के बाहर अचानक गिरा

इस्लामाबाद। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलग-अलग घटनाओं में 30 से 40 लश्कर ऑपरेटिव्स मारे जा चुके हैं। हालांकि, इन घटनाओं और अजीज की मौत के बीच कोई सीधा संबंध होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि अजीज की मौत बीमारी या किसी दूसरे कारण से हुई। मामले में पाकिस्तानी अधिकारियों की आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। 26/11 हमले की पूरी टाइमलाइन-26 नवंबर 2008 की रात समुद्र के रास्ते आए 10 लश्कर-ए-तैयबा आतंकियों ने मुंबई में कई जगहों पर हमला किया। सीएसटी, ताज होटल, ओबेरॉय-ट्राइडेंट और नरीमन हाउस मुख्य निशाने थे। 29 नवंबर की सुबह ताज होटल में आखिरी आतंकियों के मारे जाने के साथ ऑपरेशन खत्म हुआ। बॉम्बे हाईकोर्ट के मुताबिक, हमले में 166 लोगों की मौत और 238 लोग घायल हुए थे। 26 नवंबर। हमले की शुरुआत-रात करीब 8 बजेः 10 आतंकी समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंचे और अलग-अलग टीमों में बंट गए। 9:20 बजेः सीएसटी पर दो आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू की। 9:30 बजेः लियोपोल्ड कैफे को निशाना बनाया गया। 9:40-9:45 बजेः ताज होटल और ओबेरॉय-ट्राइडेंट में हमला हुआ। कई लोग अंदर फंस गए। इसी दौरान नरीमन हाउस पर भी आतंकियों ने कब्जा कर लिया। सीएसटी के बाद पुलिस पर हमला-सीएसटी से निकले दोनों आतंकी कामा अस्पताल की तरफ बढ़े। उनका पीछा कर रही पुलिस टीम पर भी हमला हुआ। इसी दौरान एटीएस चीफ हेमंत करकरे, एडिशनल सीपी अशोक कामटे और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विजय सालस्कर शहीद हुए। बाद में अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया, जबकि उसका साथी मारा गया। 27 नवंबर। कमांडो ऑपरेशन शुरू-होटलों और नरीमन हाउस में फंसे लोगों को निकालने के लिए पुलिस, सेना, मरीन कमांडो और एनएसजी ने ऑपरेशन शुरू किया। ताज और ओबेरॉय को घेरकर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई

की गई। नरीमन हाउस में भी कमांडो ऑपरेशन चला। 28 नवंबर। दो जगह ऑपरेशन खत्म-ओबेरॉय-ट्राइडेंट और नरीमन हाउस से आतंकियों का सफाया कर दिया गया। नरीमन हाउस ऑपरेशन में एनएसजी कमांडो गजेंद्र सिंह बिष्ट शहीद हुए। हालांकि, ताज होटल में ऑपरेशन जारी रहा। कुछ आतंकी अब भी अंदर मौजूद थे। 29 नवंबर। ताज में आखिरी ऑपरेशन-सुबह ताज होटल में एनएसजी ने अंतिम कार्रवाई शुरू की। करीब सुबह 8 बजे तक आखिरी तीन आतंकी मारे गए। इसके साथ ही करीब 60 घंटे चला 26/11 का आतंकी ऑपरेशन खत्म हुआ। 10 आतंकियों का क्या हुआ? 9 आतंकी मारे गए। 1 आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया। जांच और अदालत की कार्रवाई में सामने आया कि हमले के पीछे लश्कर-ए-तैयबा का नेटवर्क था। लश्कर-ए-तैयबा क्या है और कैसे काम करता है-लश्कर-ए-तैयबा की शुरुआत 1986 में हाफिज मोहम्मद सईद और जफर इकबाल ने की थी। पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाला यह आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर में आतंक और भारत में कई बड़े हमलों से जुड़ा रहा है। लश्कर-ए-तैयबा का नाम 2000 के लाल किला हमले, 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट और 2008 के 26/11 मुंबई हमले समेत कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़ा रहा है। लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठन का नेटवर्क केवल हमले करने वाले आतंकियों तक सीमित नहीं होता। इसके पीछे भर्ती, ट्रेनिंग, कम्युनिकेशन, फंडिंग और संगठन से जुड़े लोगों के परिवारों की मदद जैसे अलग-अलग काम संभालने वाले नेटवर्क होते हैं।

रिपोर्ट-परमाणु समझौता के बिना भी जंग खत्म कर सकते हैं ट्रम्प,होर्मुज दोबारा खोलने की शर्त रखी, युद्ध लंबा खिंचने पर अमेरिका का फोकस बदला

वॉशिंगटन।ईरान यह भी चाहता है कि अमेरिका क्षेत्र में उसके सहयोगी संगठनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई बंद करे। ट्रम्प के लिए घरेलू दबाव भी बढ़ा-ईरान के साथ जंग का असर अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों पर भी पड़ा है। ऐसे में ट्रम्प प्रशासन पर जंग खत्म करने का दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा अमेरिका में मध्यावधि चुनाव भी नजदीक हैं। ट्रम्प कई बार दावा कर चुके हैं कि ईरान के साथ समझौता जल्द हो सकता है। उन्होंने हाल में एक पोस्ट शेयर कर यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका जंग में जीत हासिल कर चुका है। परमाणु समझौते के बिना ट्रम्प क्यों तैयार?रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प का मानना है कि ईरान उनके कार्यकाल में अपने परमाणु कार्यक्रम को आसानी से दोबारा शुरू नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां ईरान की नई परमाणु गतिविधियों पर नजर रख सकती हैं। ट्रम्प यह भी मानते हैं कि अगर ईरान दोबारा परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करता है तो अमेरिका फिर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिका होर्मुज खोलने को जंग खत्म करने का रास्ता मान रहा है, लेकिन ईरान की मांगें काफी बड़ी हैं। खासकर अमेरिकी सेना की वापसी, प्रतिबंध हटाने और आर्थिक मुआवजे की मांग पर दोनों देशों के बीच सहमति बनना मुश्किल

है। अमेरिका के लिए चुनौती क्यों बना हुआ है ईरान? 1. 3,000ई बैलिस्टिक मिसाइलें, अंडरग्राउंड 'मिसाइल सिटी'-अमेरिकी खुफिया एजेंसी ओडीएनआई के मुताबिक, युद्ध से पहले ईरान के पास 3,000 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, जिनकी मारक क्षमता 2,000 किमी तक है। इन मिसाइलों का बड़ा हिस्सा पहाड़ों के नीचे बने अंडरग्राउंड ठिकानों में रखा गया है। यहां मिसाइलें, लॉन्चर और कंट्रोल सेंटर सुरंगों के अंदर होते हैं, इसलिए हवाई हमलों में इन्हें पूरी तरह नष्ट करना आसान नहीं माना जाता। 2. दुनिया के 20फीसदी तेल का रास्ता ईरान के पास-हॉर्मुज स्ट्रेट से दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का करीब 20फीसदी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसका उत्तरी तट ईरान के पास है। इसलिए यहां तनाव बढ़ने और हॉर्मुज बंद होने का असर सीधे वैश्विक तेल कीमतों और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है। 3. हजारों ड्रोन का बेड़ा-ईरान ने पिछले एक दशक में शाहेद जैसे हजारों ड्रोन विकसित किए हैं। इनका इस्तेमाल लंबी दूरी के हमलों और निगरानी के लिए किया जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी ईरानी ड्रोन के इस्तेमाल ने इसकी क्षमता को वैश्विक स्तर पर चर्चा में ला दिया।4. पश्चिम एशिया में सहयोगी सशस्त्र नेटवर्क-ईरान के समर्थन वाले समूह हिजबुल्लाह (लेबनान), हूती (यमन) और इराक के कई शिया सशस्त्र गुट पश्चिम एशिया में एक्टिव हैं। अमेरिकी रक्षा विशेषज्ञ इन्हें ईरान की फॉरवर्ड डिफेंस स्ट्रटजी का हिस्सा मानते हैं, जिससे वह अपने सीमावर्ती क्षेत्र से बाहर भी दबाव बना सकता है। होर्मुज पर ईरान दावा क्यों करता है? हॉर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित है।

इसका उत्तरी किनारा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी किनारा ओमान के पास है। सबसे संकरी जगह पर इसकी चौड़ाई सिर्फ 21 नॉटिकल मील (करीब 39 किलोमीटर) है। शुरुआत में दोनों देशों का समुद्री क्षेत्र सिर्फ 3 नॉटिकल मील तक माना जाता था।

लेकिन बाद में समुद्री कानूनों में बदलाव के बाद ईरान ने 1959 में और ओमान ने 1972 में अपने-अपने समुद्री क्षेत्र की सीमा बढ़ाकर 12-12 नॉटिकल मील (करीब 22-22 किलोमीटर) कर दी।

इस फैसले के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट का सबसे संकरा हिस्सा पूरी तरह ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्रों में आ गया। हालांकि समुद्री आवाजाही जारी रहे इसके 2-2 नॉटिकल मील का चौड़ा ट्रांजिट लेन बनाया गया।

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागे,पहुंचे, बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश,जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार

रांची। झारखंड के रांची में व्हएण-व्हएण परीक्षा में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं पर धरना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। छात्रों ने पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कंटीले तार की बैरिकेडिंग और वाटर कैनन से रोकने की कोशिश की तो छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। इधर, एण्ठ- ने व्हएण के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को JPSC ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। CID उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। विधानसभा को चारों तरफ से 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65फीसदी सम्भावना, हारे तो मनमानी पर रोक लगेगी, नवंबर में होनी है वोटिंग

वॉशिंगटन। इप्सोस सर्वे में 20फीसदी वोटरों ने ईरान युद्ध को वोट का अहम मुद्दा बताया।अगर जंग लंबी खिंची और तेल महंगा हुआ तो पेट्रोल, ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। यानी ट्रम्प के सामने चुनौती है ईरान पर सख्ती भी दिखानी है और अमेरिकी लोगों को महंगाई से राहत का भरोसा भी देना है। इमिग्रेशनः 61फीसदी अमेरिकी ट्रम्प की नीति से नाराज-2024 में इमिग्रेशन ट्रम्प की बड़ी ताकत था, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। हालिया सर्वे में 61फीसदी अमेरिकियों ने ट्रम्प की इमिग्रेशन नीति का विरोध किया, जबकि समर्थन सिर्फ 39फीसदी रहा। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ट्रम्प की इस नीति को 49फीसदी लोगों का समर्थन था। रिपब्लिकन वोटरों में भी समर्थन घटकर 80फीसदी रह गया है। सख्त डिपोर्टेशन और इमिग्रेशन कार्रवाई के बीच बढ़ती नाराजगी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प के लिए बड़ा नुकसान बन सकती है। ट्रम्प पर महाभियोग का खतरा बढ़ेगा-अगर रिपब्लिकन कांग्रेस में बहुमत खो देते हैं, तो ट्रम्प पर महाभियोग की कार्रवाई का खतरा बढ़ सकता है। डेमोक्रेट्स दोनों सदनों में मजबूत होते हैं तो वे ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। कांग्रेस के पास टैरिफ और इमिग्रेशन से जुड़े कानूनों पर बड़ा अधिकार है। वह ट्रम्प के फैसलों पर कानून बनाकर रोक लगा सकती है और वीजा नीति को भी चुनौती दे सकती है। ईरान युद्ध में भी कांग्रेस सैन्य कार्रवाई और युद्ध के लिए फंडिंग पर ट्रम्प पर दबाव बना सकती है। यानी कांग्रेस का बहुमत गया तो ट्रम्प की मनमानी पर लगाम लग सकती है। मिडटर्म चुनाव क्या है जिसमें ट्रम्प की ताकत दांव पर- अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव हर 4 साल में होता है, लेकिन मिडटर्म चुनाव उसके कार्यकाल के बीच में होते हैं। इसमें राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता। नवंबर में होने वाली वोटिंग में अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की सीटों के साथ राज्यों और स्थानीय स्तर के कई पदों पर भी चुनाव होता है। राष्ट्रपति के लिए मिडटर्म इसलिए अहम होता है क्योंकि कांग्रेस में उनकी पार्टी का बहुमत कम या खत्म होने पर कानून और बजट से जुड़े फैसले मुश्किल हो जाते हैं। राष्ट्रपति पद पर बने रहते हैं, लेकिन उन्हें विपक्षी सांसदों के साथ समझौता करना पड़ सकता है। ट्रम्प की ताकत पर कांग्रेस कैसे लगा सकती है ब्रेक? अमेरिका में राष्ट्रपति सबसे ताकतवर राजनीतिक चेहरा जरूर हैं, लेकिन उनकी शक्तियां असीमित नहीं हैं। संविधान ने सत्ता को राष्ट्रपति, कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के बीच बांटा है। इसे 'चेक एंड बैलेंस' (शक्तियों पर नियंत्रण और संतुलन) कहा जाता है। कई बड़े फैसलों में राष्ट्रपति को कांग्रेस की मंजूरी या सहयोग की जरूरत पड़ती है। राष्ट्रपति पर ऐसे लगा सकती है ब्रेक कांग्रेसः- कानून बनाकर कांग्रेस नए कानून बनाकर राष्ट्रपति की नीतियों की दिशा बदल सकती है। बजट रोककर किसी योजना या सैन्य अभियान के लिए फंडिंग सीमित या रोक सकती है। वीटो पलटकर हाउस और सीनेट में दो-तिहाई बहुमत से बिल पास कर राष्ट्रपति का वीटो खत्म किया जा सकता है। नियुक्तियों पर रोकः कई बड़े अधिकारियों और जजों की नियुक्ति के लिए सीनेट की मंजूरी जरूरी होती है।

महाभियोगः हाउस राष्ट्रपति पर महाभियोग के आरोप लगा सकता है। सीनेट में ट्रायल के बाद दोष साबित होने पर उन्हें पद से हटाया जा सकता है।

जापान में 200किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा डॉल्फिन तूफान,लाखों लोगों को घर छोड़ने का आदेश,टोयोटा ने 9 फैक्ट्रियों में काम रोका

टोक्यो।तूफान-डॉल्फिन तूफान तेजी से चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। चीन के मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार तक यह तूफान तट से करीब 820 किलोमीटर दूर था। इसके रविवार दोपहर से

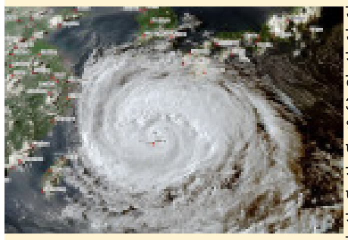

सोमवार सुबह के बीच झेजियांग और उत्तरी फुजियान के बीच कहीं टकराने की आशंका है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी रखा है, जो चार स्तरों वाली चेतावनी प्रणाली में तीसरा सबसे गंभीर स्तर है। झेजियांग, फुजियान और ताइवान में तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम वैज्ञानिक शेन यूयांग के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक इस तूफान का दायरा झेजियांग प्रांत से करीब 13 गुना बड़ा हो चुका था। झेजियांग का आकार भारत के बिहार राज्य के बराबर है। मौसम विभाग ने कहा कि तूफान का दायरा बहुत बड़ा है, इसलिए सिर्फ तटीय नहीं बल्कि अंदरूनी इलाकों के लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। चीन में एआई और ड्रोन की मदद से बचाव कार्य-फिलहाल यह साफ नहीं है कि चीन में टकराने के बाद यह किस दिशा में जाएगा। तूफान के 48 घंटे के अलर्ट जोन में पहुंचने के बाद चीन ने तैयारियां और तेज कर दी हैं। सरकारी टीवी सीसीटीवी के मुताबिक, नेशनल मरीन एनवायरनमेंटल फोरकास्टिंग सेंटर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सिस्टम तैयार किया है, जो अगले 240 घंटे (10 दिन) तक तूफान की दिशा, ताकत और कहां टकराएगा, इसका अनुमान लगा सकता है। इसके साथ ही ड्रोन और अन्य आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। जापान और चीन में बार-बार टाइफून क्यों आते हैं? 1. भूमध्य रेखा के पास और उत्तर में स्थित होना-पश्चिमी प्रशांत महासागर में हर साल सबसे ज्यादा 25 से 30 तूफान आते हैं। यह दुनिया भर में आने वाले कुल तूफानों का लगभग 30फीसदी है। इसकी वजह इस इलाके का भूमध्य रेखा के पास (उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में) स्थित होना है। पृथ्वी के घूमने के कारण यहां हवाओं को गोल घुमाने वाला बल (कोरियोलिस इफेक्ट) बहुत मजबूत होता है। तूफान बनने के बाद ये हवाओं के बहाव के साथ जापान, ताइवान, चीन, कोरिया और फिलीपींस की तरफ बढ़ते हैं। यही वजह है कि इन देशों में सबसे ज्यादा तूफान आते हैं। 2. समुद्र का तेजी से गर्म होना-टाइफून बनने और मजबूत होने की सबसे बड़ी वजह गर्म समुद्र है। जब समुद्र की सतह का तापमान बढ़ता है, तो पानी तेजी से भाप बनकर ऊपर उठता है। यह भाप तूफान के लिए ईंधन का काम करती है, जिससे हवाएं और बारिश दोनों बेहद तेज हो जाती हैं। 1901 में दुनिया भर के महासागरों की सतह का औसत तापमान लगभग 15.2सेल्सियस से 15.3सेल्सियस था। बीते कुछ साल में यह औसतन वैश्विक समुद्र सतह तापमान 21.1सेल्सियस को पार कर गया है, जो इतिहास में सबसे ज्यादा है।

कनाडा में पंजाबी शराब कारोबारी की हत्या, दुकान से वाइन उठाकर भाग रहा था युवक, रोकने पर सीने में मारी गोली

जालंधर। कनाडा के एडमंटन में पंजाबी मूल के शराब कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना शहर के सेंट्रल इलाके में 112 एवेन्यू और 82 स्ट्रीट के पास स्थित कनेक्ट लिकर स्टोर में दोपहर करीब 1 बजे हुई। 22 वर्षीय युवक स्टोर में आया और शराब की कुछ बोतलें उठाकर बिना पेमेंट किए जाने लगा। इसके बाद कारोबारी ने उसे रोकने की कोशिश की और स्टोर का दरवाजा बंद कर दिया। इसी दौरान युवक ने उनकी छाती पर गोली चला दी। मृतक की पहचान सुखजीत रंधावा उर्फ सनी (48) के रूप में हुई है। घटना 6 अगस्त की है, जो अब सामने आई। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो कनाडाई नागरिक बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। शराब की बोतलें उठाकर बिना पेमेंट किए जाने लगा युवक-जानकारी के अनुसार, कनाडा के एडमंटन में 22 वर्षीय युवक 6 अगस्त की दोपहर करीब 1 बजे सेंट्रल इलाके में 112 एवेन्यू और 82 स्ट्रीट के पास स्थित कनेक्ट लिकर स्टोर में पहुंचा। उसने शराब की कुछ बोतलें उठाईं और बिना पेमेंट किए दुकान से बाहर जाने लगा। स्टोर में मौजूद 48 वर्षीय सुखजीत रंधावा उर्फ सनी ने उसे रोकने की कोशिश की। युवक ने बोतलों के पैसे नहीं दिए। इसके बाद सनी ने उसे रोकने के लिए स्टोर का दरवाजा बंद कर दिया। दरवाजा बंद करते ही कारोबारी पर चलाई गोली- दरवाजा बंद किए जाने के बाद युवक ने सनी की छाती पर गोली चला दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर एडमंटन पुलिस सर्विस (ईपीएस) की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल सनी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत को हत्या करार दिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया-मामले की जांच के दौरान एडमंटन पुलिस सर्विस की जांच शाखा ने 22 वर्षीय निकलस बटलर-चोवेस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ सेकंड-डिग्री मर्डर का केस दर्ज किया है। आरोपी कनाडाई नागरिक है। पुलिस का कहना है कि मामले में किसी अन्य संदिग्ध की तलाश नहीं है। दक्षिण एशियाई समुदाय और दुकानदारों में आक्रोश- घटना के बाद दक्षिण एशियाई समुदाय और स्थानीय दुकानदारों में गहरा आक्रोश है। एडमंटन के मेयर अमरजीत सोही और स्थानीय नेताओं ने घटना को गंभीर त्रासदी बताया है। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि शहर में छोटे दुकानदारों की सुरक्षा चिंताजनक होती जा रही है। उनका कहना है कि कारोबारियों और कर्मचारियों को अक्सर आपराधिक तत्वों का सामना करना पड़ता है। व्यवसायी संघ ने की सुरक्षा की मांग-सुखजीत रंधावा को याद करते हुए उनके ग्राहकों और दोस्तों ने बंद दुकान के बाहर मोमबत्तियां, फूल और अगरबत्तियां रखकर श्रद्धांजलि दी। लोगों ने बताया कि सुखजीत बेहद मिलनसार और दयालु इंसान थे और हर किसी की मदद के लिए तैयार रहते थे। घटना के बाद स्थानीय व्यवसायी संघ ने प्रशासन से रिटेल स्टोर्स और कर्मचारियों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

विदेशी डिग्री का क्रेज खत्म,घर लौटे 52 लाख चीनी छात्र,कम हुआ विदेश जाने का रुझान, पिछले साल 94फीसदी छात्र स्वदेश लौटे

बीजिंग। चीन में विदेश जाकर पढ़ाई करने का चलन तेजी से कम हो रहा है। माता-पिता मानते हैं कि देश के अपने विश्वविद्यालय अब पहले से बेहतर हो गए हैं।

इसलिए भारी खर्च करके विदेश जाने का फायदा कम दिखता है। इसी वजह से 2019 में जहां 7 लाख छात्र विदेश पढ़ने गए थे, 2025 में यह संख्या घटकर करीब 5.7 लाख रह गई। दूसरी ओर विदेश से पढ़ाई पूरी करके चीन लौटने वालों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। 2025 में विदेश में रुकने के बजाय करीब 94फीसदी छात्र वापस लौट आए। 10 साल में कुल 52 लाख ग्रेजुएट लौट चुके हैं। न्यू ओरिएंटल के आंकड़ों के मुताबिक, विदेश से लौटने वाले छात्रों की शुरुआती सैलरी औसतन करीब 1.80 लाख रुपए प्रति महीना है। वहीं, देश में ही पढ़ाई करने वालों की औसत सैलरी करीब 1 लाख रुपए है। हालांकि हालात ऐसे हैं कि कई विदेश-पढ़े युवाओं को इससे भी कम कमाई मिल रही है और गुजारे के लिए डिलीवरी जैसे काम करने पड़ रहे हैं। विदेशी डिग्री का फायदा घटा,कंपनियों का नजरिया बदला -कई कंपनियां अब विदेशी डिग्री को पहले जैसी तरजीह नहीं देतीं। विदेश की पढ़ाई के कोर्स की समय सीमों कम होना और आसान दाखिले के कारण कुछ एचआर इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाते हैं। जैसे चीन में पोस्ट ग्रेजुएशन तीन साल का होता है। वहीं ब्रिटेन और अमेरिका में एक साल का। सरकारी नौकरियों में भी विदेश से पढ़े युवाओं के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं। शिक्षा पर खर्च बढ़ा तो परिवारों ने बजट घटाया-विदेश में पढ़ाई का खर्च तेजी से बढ़ा है। सर्वे के मुताबिक, 2025 में विदेश पढ़ाई का औसत खर्च बढ़कर 85 लाख रुपए हो गया है। यह 2023 के मुकाबले करीब 20फीसदी ज्यादा है। इसलिए जो छात्र अब भी बाहर जा रहे हैं, वे ऐसे देश चुन रहे हैं जहां पैसा वसूल हो सके। चीन की यूनिवर्सिटीज मजबूत, फीस कम-चीन के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

शाह जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में देंगे जवाब, रिजिजू बोले-गृहमंत्री के भाषण में हंगामा न करे, विपक्ष बयान की मांग पर अड़ा था

नयी दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। शाह संसद परिसर में नियमित रूप से आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सदन में नहीं देखा गया है।

मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है। तीन हफ्ते के दौरान लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है। एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस के अलावा किसी और मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन-संसद में कार्यवाही से जुड़े 3 बड़े अपडेट्स-कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया। लोकसभा में चार अहम बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं। लोकसभा ने ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसद के बाहर कहा कि शाह के बयान को लेकर सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। गोगोई ने कहा-सरकार ने यह नहीं बताया कि वह अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है या नहीं। संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सदन में जारी गतिरोध पर चिंता जताई। उन्होंने फ्लोर लीडर्स से भावुक अपील करते हुए कहा कि जनता की आवाज सदन में सुनी जानी चाहिए। प्रश्नकाल चलने दें और अहम बिलों पर चर्चा करें।

सैलून में हेयर वॉश हो सकता है खतरनाक,डॉक्टर से जानें क्या है ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम, 10 लक्षण इग्नोर न करें

गुरुग्राम। लोग अक्सर ग्रूमिंग के लिए सैलून जाते हैं। यहां हेयर कट से लेकर हेयर वॉश और स्पा तक कई सर्विस मिलती हैं। लोग अपनी पसंद

और जरूरत के मुताबिक सर्विस चुनते हैं। क्या आपको पता है कि हेयर वॉश के दौरान सिर को लंबे समय तक पीछे झुकाकर रखने से स्ट्रोक हो सकता है। साल 2025 में 'द अमेरिकन जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन' में इस बारे में एक रिव्यू पब्लिश हुआ। इसमें पिछले 50 वर्षों में पार्लर में हुए स्ट्रोक के 54 मामलों को एनालाइज किया गया। इनमें ज्यादातर घटनाएं सैलून में हेयर वॉश के दौरान हुई थीं। इस कंडीशन को 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' कहा जाता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्या है और ये क्यों होता है? किन लोगों को ज्यादा रिस्क हो सकता है? सैलून में क्या सावधानियां रखनी चाहिए? विषय को समझेंगे डॉ. कृष्ण कुमार गोयल कंसल्टेंट, न्यूरोलॉजी,

नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्या होता है? जवाब- ये एक गंभीर हेल्थ कंडीशन है, जो सैलून में बाल धोते समय गर्दन के ज्यादा पीछे झुकने के कारण हो सकती है। इसे पॉइंट्स से समझिए-सैलून में हेयर वॉश के दौरान अक्सर गर्दन को लंबे समय तक पीछे

की ओर झुकाकर रखना होता है।

इस पोजिशन से गर्दन की ब्लड वेसल्स पर दबाव पड़ता है। इससे डैमेज का रिस्क हो सकता है।

इसके कारण ब्रेन तक ब्लड का फ्लो बिगड़ सकता है। इससे स्ट्रोक या मिनी-स्ट्रोक (ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक) का रिस्क बढ़ जाता है।

सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्यों होता है? जवाब- इसका मुख्य कारण बाल धोते समय गर्दन को लंबे समय पीछे झुकाकर रखना है।

इसे ऐसे समझिए-ब्रेन को लगातार ऑक्सीजन और ब्लड की जरूरत होती है। यह गर्दन से गुजरने वाली ब्लड वेसल्स के जरिए पहुंचता है।

जब हेयर वॉश के दौरान गर्दन को बहुत ज्यादा पीछे झुकाया जाता है तो इन वेसल्स पर दबाव या खिंचाव पड़ सकता है। इसके कारण ब्रेन तक पहुंचने वाला ब्लड फ्लो अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है।

कुछ मामलों में आर्टरीज की अंदरूनी लेयर को नुकसान भी हो सकता है।

इससे ब्लड क्लॉटिंग का रिस्क बढ़ जाता है।

अगर ब्लड फ्लो बाधित हो या कोई क्लॉट ब्रेन तक पहुंच जाए तो स्ट्रोक या मिनी-स्ट्रोक हो सकता है।

ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम वह है, जब बाल धो गर्दन लंबे समय तक पीछे की ओर झुकी रहती है।

इससे वर्टिब्रल आर्टरी पर दबाव पड़ता है, ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और ब्रेन तक

ब्लड सप्लाई कम हो जाती है। इससे स्ट्रोक का रिस्क बढ़ सकता है।

सवाल- ब्रेन के लिए यह कैसे खतरनाक है?

जवाब- जब किसी वजह से ब्लड सप्लाई रुकती है, तो कुछ ही मिनटों में ब्रेन सेल्स डैमेज होना शुरू हो जाती हैं।

जिस हिस्से तक ब्लड नहीं पहुंचता, वहां की सेल्स काम करना बंद कर देती हैं। इसका बॉडी के कई जरूरी फंक्शंस प्रभावित हो सकते हैं, जैसे-बोलने में दिक्कत। चलने-फिरने में परेशानी। धुंधला या कम दिखाई देना। याददाश्त में कमी और बैलेंस बिगड़ना। समय पर इलाज न मिलने से ये नुकसान स्थायी भी हो सकता है। सवाल- 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' के लक्षण क्या होते हैं?

जवाब- इसके लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि ब्रेन का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है। ये लक्षण तुरंत भी दिख सकते हैं या सैलून ट्रीटमेंट के कुछ दिन या हफ्तों बाद भी सामने आ सकते हैं।

सैलून में हेयर वॉश कराने वाले हर व्यक्ति को यह समस्या नहीं होती, लेकिन कुछ खास स्थितियों में इसका रिस्क बढ़ सकता है।

सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम कैसे डायग्नोज किया जाता है? जवाब- इसके लिए डॉक्टर सबसे पहले पूरा न्यूरोलॉजिकल चेक-अप करते हैं।

इससे यह समझने में मदद मिलती है कि ब्रेन का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है। इसके लिए कुछ टेस्ट किए जाते हैं, जैसे- सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी इमेजिंग टेस्ट।

मैग्नेटिक रेजोनेंस एंजियोग्राफी। ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम जैसे टेस्ट। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम का ट्रीटमेंट क्या है? जवाब- इसका इलाज अन्य स्ट्रोक की तरह ही किया जाता है।

इलाज का मुख्य उद्देश्य होता है- ब्रेन में ब्लड फ्लो को स्थिर करना।स्थिति को बिगड़ने से रोकना। भविष्य में दोबारा स्ट्रोक का रिस्क कम करना। इसके लिए डॉक्टर आमतौर पर- ब्लड थिनर (खून पतला करने वाली दवाएं) देते हैं, ताकि नसों में क्लॉट बनने या बढ़ने से रोका जा सके। जरूरत पड़ने पर अन्य सपोर्टिव ट्रीटमेंट भी दिए जाते हैं, जो मरीज की स्थिति पर निर्भर करते हैं। अगर स्ट्रोक के बाद कमजोरी, संतुलन या मूवमेंट से जुड़ी समस्या बनी रहती है, तो- फिजियोथेरेपी, रिहैबिलिटेशन थेरेपी, की मदद ली जाती है, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी रोजमर्रा की एक्टिविटीज में सुधार कर सके। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम से कैसे बचें? जवाब- सबसे पहले ये देखें कि इस दौरान आप रिलैक्स महसूस कर रहे हैं या नहीं।

अगर समस्या हो रही है तो गर्दन में सपोर्ट के लिए पिलो आदि मागें या गर्दन का एंगल सही करने को कहें। ग्राफिक में देखिए, इससे बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए- इन पॉइंटर्स को एक-एक करके थोड़ा विस्तार से बताते हैं- गर्दन को सपोर्ट और आराम दे-,हेयर वॉश के दौरान वॉश बेसिन के किनारे एक मुलायम तौलिया या कुशन रखवाएं, ताकि गर्दन और सिर को सपोर्ट मिले और अनावश्यक खिंचाव न पड़े। गर्दन का एंगल सही रखें-ध्यान रखें कि बाल धोते समय गर्दन जरूरत से ज्यादा पीछे न झुके। कोशिश करें कि गर्दन का झुकाव 20 डिग्री से ज्यादा न हो। इसे हल्के और सहज एंगल में रखें, ताकि गर्दन की नसों और मसल्स पर ज्यादा दबाव न पड़े।

सही पोश्चर में बैठें-बाल धोते समय गर्दन को सिंक के सख्त किनारे पर टिकाने की बजाय थोड़ा आगे की ओर झुककर बैठें, जिससे सिर और गर्दन पर जोर कम पड़े। बेसिन पर सिर ज्यादा देर पीछे न रखें-कई बार बाल धोने के बाद वहीं खड़े-खड़े या सिंक के ऊपर तौलिए से बाल सुखाए जाते हैं। बेहतर है कुर्सी पर सीधा बैठकर या थोड़ा आगे झुककर तौलिए का इस्तेमाल करने को कहें।

दर्द/असहजता हो तो तुरंत बताएं-अगर वॉश के दौरान दर्द, चक्कर या किसी भी तरह की परेशानी महसूस हो तो बिना झिझक सैलून स्टाफ को बताएं, ताकि पोजिशन तुरंत बदली जा सके।

बीच-बीच में ब्रेक लें-अगर हेयर वॉश या कोई ट्रीटमेंट लंबा चल रहा हो, तो बीच में गर्दन को सीधा करके कुछ देर आराम दें।

नेक सपोर्ट का इस्तेमाल करें-गर्दन के नीचे तौलिया या नरम कुशन रखने से दबाव कम पड़ता है और गर्दन ज्यादा आरामदायक स्थिति में रहती है।

अचानक गर्दन को झटका न दें-सिर को पीछे या आगे करते समय धीरे-धीरे मूव करें। अचानक झटका लगने से गर्दन की मसल्स और ब्लड वेसल्स पर तनाव बढ़ सकता है।

एआर रहमान के बेटे का कार एक्सीडेंट हुआ,अमीन को मामूली चोट,चेन्नई में पोर्श और वैगन-आर टकराईं,पुलिस ने दोनों गाड़ियां जब्त कीं

चेन्नई। संगीतकार एआर रहमान के बेटे और सिंगर एआर अमीन सोमवार सुबह चेन्नई में

एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। गिंडी इलाके में ओलंपिया टेक पार्क सिग्नल के पास उनकी लग्जरी पोर्श कार एक वैगन-आर से टकरा गई। इस हादसे में 23 साल के अमीन और उनके दोस्त को मामूली चोटें आईं। पुलिस के मुताबिक, दोनों को तुरंत पास के कावेरी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। दूसरी कार के घायल सवारी को भी प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। सुबह 3:30 बजे हुआ हादसा, पुलिस ने गाड़ियां जब्त कीं न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे हुई। हादसे के समय अमीन की पोर्श कार में उनका दोस्त भी मौजूद था। एक सिंगल साइड रोड से मुख्य सड़क पर आई रैपिडो वैगन-आर अचानक पोर्श से टकरा गई। टक्कर के बाद वैगन-आर में सवार यात्री भी घायल हो गया था, जिसे कलाईगनार संटेनरी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। पोर्श कार से हुआ हादसा हादसे में शामिल पोर्श मॉडल की आधिकारिक पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, रहमान परिवार के पास पहले से एक इलेक्ट्रिक पोर्श टायकन मौजूद है। साल 2022 में एआर रहमान ने अपनी बेटियों खतीजा रहमान और रहीमा रहमान के साथ ''एूल्दे' नंबर प्लेट वाली इस कार की तस्वीर शेयर की थी। इस लग्जरी कार की कीमत लगभग 1.53 करोड़ रुपए बताई गई थी। एआर रहमान के कार कलेक्शन में 3 करोड़ रुपए की वोल्वो एसयूवी, मर्सिडीज-बेंज और 1 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की जगुआर भी शामिल हैं। पिता की संगीत विरासत आगे बढ़ा रहे हैं अमीन 23 साल के एआर अमीन अपने पिता की तरह म्यूजिक इंडस्ट्री में पहचान बना रहे हैं। वे एक प्लेबैक सिंगर हैं। अमीन ने हाल ही में राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' के गाने 'चिकिरी चिकिरी' के तमिल वर्जन में अपनी आवाज दी है। इसके अलावा वे जसलीन रॉयल, दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर के साथ इंडिपेंडेंट सॉन्ग 'भीगी भीगी' में भी नजर आ चुके हैं। 'रामायणम्' में व्यस्त हैं एआर रहमान दूसरी ओर, ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। वे 'गांधी टॉक्स', 'पेद्दी' और 'मैं वापस आऊंगा' के बाद अब 'रामायणम्' के संगीत में व्यस्त हैं।

इसके साथ ही 14 अगस्त को रिलीज हो रही फिल्म 'बंटवारा 1947' का म्यूजिक भी उन्होंने ही कंपोज किया है। रहमान ने 1992 में फिल्म 'रोजा' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वे 2 ऑस्कर, 2 ग्रैमी, 1 बाफ्टा और 1 गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीत चुके हैं।

सलमान खान और संजय दत्त फिर साथ दिखेंगे,दोनों की फिल्म '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारत में होगी रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान और संजय दत्त की इंटरनेशनल एक्शन फिल्म '7 डॉग्स'

भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि यह फिल्म 21 अगस्त को भारतीय थिएटर्स में लगेगी। फिल्म का निर्देशन बिलाल फल्लाह और आदिल एल अरबी ने किया है। इस फिल्म में मिस्र के स्टार्स करीम अब्दुल-अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सलमान खान और संजय दत्त कैमियो रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट के देशों में रिलीज हो चुकी है। टीजर में दिखा था दोनों अभिनेताओं का अंदाज फिल्म '7 डॉग्स' का टीजर पिछले साल जारी किया गया था। टीजर की शुरुआत में संजय दत्त हाथ में बंदूक लिए नजर आए थे। वहीं टीजर के आखिरी हिस्से में सलमान खान सूट-बूट में दिखे थे। दोनों अभिनेताओं के टीजर में आने के बाद से ही भारतीय दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर चर्चा थी। रियाद में हुई थी तीन दिन की शूटिंग इस फिल्म को सऊदी अरब की जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन तुर्की अल-शेख ने प्रोड्यूस किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान और संजय दत्त के तुर्की अल-शेख के साथ अच्छे संबंध हैं। इसी वजह से दोनों इस फिल्म में कैमियो करने के लिए तैयार हुए थे। इस रोल की शूटिंग के लिए सलमान और संजय पिछले साल फरवरी में सऊदी अरब की राजधानी रियाद गए थे। वहां दोनों ने तीन दिनों के शेड्यूल में अपने सीन शूट किए थे। ड्रग सिंडिकेट और इंटरपोल अफसर की है कहानी वैराइटी की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी '7 डॉग्स' नाम के एक ग्लोबल क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें इंटरपोल अफसर खालिद अल-अज्जाजी इस सिंडिकेट के बड़े लीडर घाली अबू दाऊद को गिरफ्तार कर लेता है। एक साल बाद जब यह सिंडिकेट मिडिल ईस्ट में 'पिंक लेडी' नाम की नई ड्रग्स की तस्करी शुरू करता है, तो खालिद की में घाली की मदद लेनी पड़ती है। घाली ही अकेला ऐसा शख्स है जो इस सिंडिकेट के काम करने के तरीके को अच्छी तरह जानता है। '

'जोरू का गुलाम' के डायरेक्टर नूरानी रेप केस में गिरफ्तार,एक्ट्रेस का आरोप-नशीली दवा दी,गर्भनिरोधक गोलियां देते थे

मुंबई। फिल्म जोरू का गुलाम के डायरेक्टर 73 साल के शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है। 33 साल की एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग समेत कई आरोप

लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, ये मामला 2016 का है। घटना 2016 की, केस अब दर्ज हुआ-मुंबई पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, एक्ट्रेस की शकील नूरानी से पहली मुलाकात 2016 में लोखंडवाला में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी। उन्होंने उनसे आने वाले एक प्रोजेक्ट के बारे में बात की और काम के लिए संपर्क करने को कहा था। शिकायत के मुताबिक बाद में एक्ट्रेस स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए शकील नूरानी के मालवानी स्थित घर गई थीं। वहां नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। होश आने पर वीडियो दिखाकर धमकाने का आरोप-एक्ट्रेस ने एफआईआर में आरोप लगाया कि होश आने के बाद शकील नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल पर एक्ट्रेस का वीडियो दिखाया। उन्होंने धमकी दी कि पुलिस से संपर्क करने या परिवार को जानकारी देने पर वह वीडियो सर्कुलेट कर देंगे। एक्ट्रेस का आरोप है कि नूरानी ने इसी कथित वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने यह भी कहा कि यौन संबंधों के बाद नूरानी उन्हें बार-बार गर्भनिरोधक गोलियां देते थे। सातारा के फार्महाउस से गिरफ्तारी हुई-जांच में पता चला कि नूरानी सातारा जिले के मेधा इलाके में स्थित एक फार्महाउस में रह रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद नूरानी 40 दिन तक छिपे रहे। पुलिस टीम ने अंधेरी के लोखंडवाला स्थित उनके बेटे के घर की तलाशी भी ली, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। अधिकारी ने कहा, 'टेक्निकल मदद से हमने उन्हें सातारा जिले के मेधा स्थित एक फार्महाउस में खोजा। मेधा पुलिस स्टेशन के हमारे साथियों ने उन्हें हिरासत में लिया। इसके बाद हमारी टीम ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया।' 12 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेजे गए-पुलिस ने शकील नूरानी को शनिवार को बोरीवली हॉलीडे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 12 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। डीसीपी संदीप घुगे ने कहा कि शिकायत दर्ज होने के बाद से पुलिस जानकारी जुटा रही है। वहीं, मीडिया से बातचीत में नूरानी के वकील विकास सिंह ने कहा कि मेरे क्लाइंट को झूठा फंसाया गया है। मामला अदालत में है, इसलिए कोई कमेंट करना ठीक नहीं है। नूरानी ने 1991 से 2000 के बीच फिल्में बनाईं- शकील नूरानी ने 1990 और 2000 के शुरुआती दशक में फिल्में बनाई हैं। उनकी फिल्मों में 'विष्णु देवा' (1991), 'श्रीमान आशिक' (1993), 'बड़े दिलवाला' (1999) और 'जोरू का गुलाम' (2000) शामिल हैं। संजय दत्त से फिल्म को लेकर विवाद हुआ था-नूरानी इससे पहले संजय दत्त से विवाद को लेकर चर्चा में रहे थे। मुंबई की एक अदालत ने शकील नूरानी को धमकाने के मामले में संजय दत्त के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। शकील और संजय दत्त का विवादः-शकील नूरानी ने जान की बाजी का निर्माण शुरू किया था, जिसमें संजय दत्त मुख्य अभिनेता थे। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2001 में शुरू हुई थी और करीब 50फीसदी पूरी हुई। शकील नूरानी ने संजय दत्त को फिल्म के लिए करीब 50 लाख रुपये साइनिंग अमाउंट के तौर पर दिए थे। इसके बाद संजय दत्त ने कुछ दिनों तक शूटिंग की, लेकिन आगे की शूटिंग के लिए तारीखें नहीं दीं। नूरानी का आरोप था कि संजय दत्त के कारण फिल्म पूरी नहीं हो सकी और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। नूरानी के अनुसार, करीब 7 साल तक उन्हें शूटिंग के लिए तारीखें नहीं मिलीं और 2008 में दत्त ने फिल्म पूरी न कर पाने की बात कही। नूरानी ने संजय दत्त से फिल्म में हुए नुकसान की भरपाई की मांग की।संजय दत्त ने इन आरोपों को चुनौती दी। उनकी ओर से कहा गया कि उन्होंने अक्टूबर 2001 में फिल्म की दो दिन शूटिंग की थी, लेकिन उन्हें उस काम का भुगतान नहीं किया गया। दावा था कि निर्माता की ओर से बकाया राशि नहीं दी, इसलिए उन्होंने शूटिंग रोक दी। विवाद को इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) के समक्ष ले जाया गया। जनवरी 2010 में IMPPA की ओर से नूरानी के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट में उस फैसले को लागू कराने की प्रक्रिया शुरू हुई। दिसंबर 2010 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने संजय दत्त की दो संपत्तियों को अटैच करने का आदेश दिया।इनमें बांद्रा के पाली हिल स्थित उनका फ्लैट और सांताक्रूज स्थित ऑफिस का उल्लेख रिपोर्टों में मिलता है। उन्हें रकम चुकाने का मौका दिया गया था, वरना संपत्तियों की नीलामी की स्थिति बन सकती थी। इसके बाद संजय दत्त ने हाई कोर्ट में इस कार्रवाई को चुनौती दी और

अपनी संपत्तियों को अटैचमेंट से मुक्त करने की मांग की। शकील नूरानी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के निर्देशक और निर्माता हैं। जिन्होंने खास तौर पर 1990 के दशक के अंत और 2000 के शुरुआती दौर में काम किया। उन्हें 'बड़े दिलवाला' और 'जोरू का गुलाम' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी सबसे कामयाब फिल्म गोविंदा और ट्विंकल खन्ना स्टारर जोरू का गुलाम रही, जिसके गाने भी काफी पसंद किए गए थे। इसके अलावा उन्होंने श्रीमान आशिक, विष्णु देवा, तेजाबः द एसिड ऑफ लव जैसी फिल्में बनाई हैं।

कश्मीर में राजेश खन्ना ने तेज सप्रू को दीं गालियां, अगले दिन माफी मांगी

फिर दोनों रातभर बैठकर पीते रहे, एक्टर ने बताई घटना

मुंबई। एक्टर तेज सप्रू ने हाल ही में बताया कि राजेश खन्ना ने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान

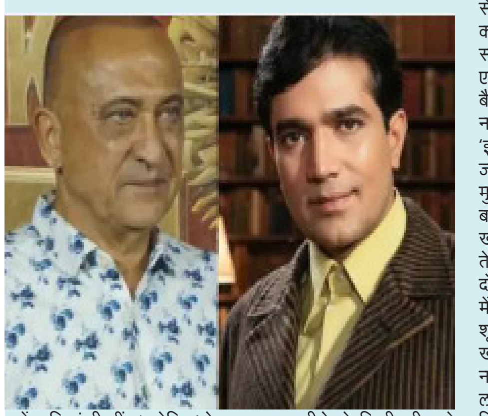

उन्हें गालियां दी थीं। 'द रेडिफ' के पॉडकास्ट में तेज सप्रू ने बताया कि इस घटना से उनका दिल टूट गया था, क्योंकि वो राजेश खन्ना की बहुत इज्जत करते थे। राजेश खन्ना की पर्सनैलिटी पर बात करते हुए तेज सप्रू ने कहा कि जब कोई शिखर पर होता है, तो कई बार उसके आसपास के लोग ही उसका दिमाग ज्यादा खराब कर देते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि 'इतने बड़े दिल वाला मैंने शायद ही किसी को देखा है।' पॉडकास्ट में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना का जिक्र किया। सप्रू ने बताया, 'एक बार हम साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक पीछे से किसी की मुझे गालियां देते हुए आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह काका जी (राजेश खन्ना) थे।' घटना से तेज सप्रू परेशान हो गए थे-तेज सप्रू ने बताया कि जब राजेश खन्ना ने उन्हें गालियां दीं, तब वह एक एक्ट्रेस के साथ थे। हालांकि उन्होंने उस एक्ट्रेस का नाम और यह नहीं बताया कि राजेश खन्ना ने उन्हें गाली क्यों दी थी? सप्रू ने कहा कि इस घटना ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था। उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना की पहली फिल्म (राज) उनके पिता डीके सप्रू के साथ थी और वह उनका बहुत सम्मान करते थे। तेज सप्रू ने कहा, 'मैं सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि खुद से सीनियर और मेरे पिता के साथ काम करने वाले हर शख्स का सम्मान करता हूं। चाहे वह बड़ा एक्टर हो या छोटा, जब तक वह बैठ नहीं जाता, मैं खुद कुर्सी पर नहीं बैठता।' उन्होंने आगे बताया, 'इतना सम्मान करने के बावजूद न जाने क्या हुआ कि उन्होंने पीछे से मुझे गाली दे दी। मैं इस बात से बहुत परेशान हो गया था।' राजेश खन्ना ने अगले दिन मांगी माफी-तेज सप्रू ने बताया कि अगले दिन दोनों का साथ में शूट था। कश्मीर में बर्फ के बीच एक सीक्वेंस की शूटिंग चल रही थी। उन्होंने राजेश खन्ना को हाय, हैलो या नमस्ते कुछ नहीं कहा। वह चुपचाप एक कुर्सी लगाकर बैठ गए। तेज सप्रू ने बताया कि वह उस वक्त भी पिछली घटना से नाराज थे। वह राजेश खन्ना से कोई बातचीत नहीं करना चाहते थे। शूटिंग शुरू हुई और दोनों अपने-अपने शॉट में व्यस्त हो गए। इसके बाद राजेश खन्ना उनके पास आए और बात शुरू की। तेज सप्रू के मुताबिक, राजेश खन्ना ने उनसे कहा, 'हे टॉल बॉय, चल भूल जा।' इस पर तेज सप्रू ने जवाब दिया, 'सर, आपने गाली दे दी थी मुझे।' राजेश खन्ना ने इसके बाद कहा, 'नहीं नहीं, हो गया यार, आजा आजा।' तेज सप्रू ने बताया कि इसके बाद राजेश खन्ना ने उन्हें शाम को अपने साथ चलने के लिए कहा। तेज सप्रू उनके साथ जाने के लिए मान गए। शूटिंग खत्म होने के बाद दोनों साथ गए। तेज सप्रू ने बताया कि इसके बाद उन्होंने राजेश खन्ना के साथ काफी वक्त बिताया। उन्होंने कहा, 'पूरी रात काका जी और मैंने बैठ के खाया-पिया।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।